खंड 1: नियोजित नकली महामारी, दंगे और नियोजित नकली जलवायु संकट: जनता को विचलित करने के लिए साजिश: मानव जाति के दुश्मनों द्वारा किए गए अत्याचार:

उन्होंने तीन साल पहले कोरोनावायरस नामक एक योजनाबद्ध नकली महामारी नाटक शुरू किया था। जब भी चुनाव आए, उन्होंने कोरोना वायरस की फर्जी महामारी के खेल को थोड़ा कम कर दिया. कोविड वैक्सीन के नाम पर, उन्होंने महामारी की शुरुआत से पहले बने जहरीले धातुओं वाले रासायनिक इंजेक्शन का इंजेक्शन देकर निर्दोष लोगों को मारना शुरू कर दिया। फिर भी, दुनिया भर में निर्दोष नागरिक हृदय रोग, कैंसर, मस्तिष्क ट्यूमर, रक्तस्राव और अकल्पनीय दुष्प्रभावों से मर रहे हैं।

वर्तमान में, राजनेता उन दवा कंपनियों को बचाने के लिए कानून बना रहे हैं जो सामूहिक नरसंहार कर रहे हैं और देश के नागरिकों के खिलाफ कानून बना रहे हैं जो सरकार और राजनेताओं के खिलाफ सच बोल रहे हैं जो नकली महामारी बनाकर और रोकथाम और इलाज और वैक्सीन के नाम पर जहरीले इंजेक्शन लगाकर निर्दोष मनुष्यों की सामूहिक हत्या कर रहे हैं। वे सभी फर्जी महामारी पैदा करके निर्दोष सार्वजनिक लोगों की सामूहिक हत्या कर रहे हैं। वे सभी जानबूझकर और जानबूझकर मानव जाति की प्रकृति, मानव अधिकारों, विज्ञान और शांति का उल्लंघन करते हैं।

राजनेता, अभिजात वर्ग, बिल गेट्स जैसे अमीर लोग, दवा कंपनियां, मुख्यधारा की मीडिया, तकनीकी कंपनियां और अन्य अमानवीय व्यक्ति बिना किसी विवेक के इस नकली कोरोनावायरस महामारी और जलवायु परिवर्तन के नाम पर नरसंहार कर रहे हैं।

3 मई, 2023 को उन्होंने मणिपुर में सांप्रदायिक दंगे शुरू कर दिए। फिर 4 मई, 2023 को दो महिलाओं को आधे-अधूरे कपड़े पहनाए गए और कई पुरुषों ने दिनदहाड़े उनके साथ बलात्कार किया। इसके बाद 17 मई के बाद मामला दर्ज किया गया। लेकिन करीब 78 दिनों से कोई कार्रवाई नहीं हुई है। फिर 19 जुलाई, 2023 को जनता का ध्यान भटकाने के लिए दोनों महिलाओं के साथ अर्ध-बलात्कार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया। कोरोना वायरस जैसी घटनाएं, युद्ध और दंगे सभी मानवता के खिलाफ फर्जी साजिशें हैं। इसका कारण यह है कि जिन लोगों ने इस कोरोनोवायरस महामारी को पैदा किया, वे मणिपुर दंगों को रोकना नापसंद करते हैं। वजह यह है कि वे हर समय जनता को टेंशन में रखना चाहते हैं।

दुनिया भर में महामारी निर्माता, जैसे कि राजनेता, सरकारें, मुख्यधारा के समाचार मीडिया और दवा कंपनियां, महामारी और जलवायु संकट के नाम पर अपने एजेंडे को मजबूर करके डिजिटल धन और डिजिटल पहचान की दासता को लागू करने के लिए निर्दोष लोगों को धोखा दे रहे हैं। किसी भी दयालुता के बिना, राजनेता, सरकारें और दवा कंपनियां मानव जाति की सामूहिक हत्या कर रही हैं।

दुनिया भर में कई निर्दोष बच्चों, महिलाओं और पुरुषों को इस नकली कोरोनावायरस महामारी की साजिश और कोविड वैक्सीन के रूप में लगाए गए विषाक्त इंजेक्शन द्वारा मार

दिया गया है। लेकिन इससे लड़े बिना, आप मणिपुर में योजनाबद्ध फर्जी दंगों और कुछ नकली युद्धों के बारे में चिंतित हैं।

हर दिन, हर साल दुनिया भर में लाखों मासूम बच्चों की तस्करी की जाती है, और कुछ राजनेता, मशहूर हस्तियां और अमीर इंसान उन मासूम बच्चों का शोषण करते हैं। लेकिन किसी ने भी इसके खिलाफ लड़ाई नहीं लड़ी। लेकिन आप मुख्यधारा के मीडिया द्वारा प्रसारित नकली विज्ञापनों और समाचारों से चिंतित हैं, जो आपको लगातार भ्रम में रखते हैं और लगातार आपके खिलाफ मनोवैज्ञानिक युद्ध छेड़ते हैं।

राजनेता और सरकारें जनता की रक्षक नहीं हैं। वे सभी अमीर अभिजात वर्ग, गुप्त समाज, कॉर्पोरेट, दवा कंपनियों और मानव जाति के दुश्मनों के दास हैं।

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि राजनेता किस मंच पर चढ़ते हैं, "हमने यह किया, हमने यह किया, हमने करोड़ों रुपये में घर बनाए, हमने करोड़ों रुपये में सड़कें बनाईं। हमने लोगों के लिए एक अस्पताल बनाया, "वे कहते हैं। यह उनका अपना पैसा है या उनकी पार्टी का पैसा? नहीं, बिल्कुल नहीं। यह जनता का पैसा है।

वे कहते हैं कि हम मुफ्त में टीकाकरण का इंजेक्शन लगा रहे हैं या मुफ्त में टीकाकरण दे रहे हैं। लेकिन वे बिना विवेक के नकली महामारी और संकट पैदा करके दुनिया भर में बच्चों, महिलाओं और पुरुषों की सामूहिक हत्या कर रहे हैं। बहुत से लोग अपने मुफ्त टीके के कारण मर रहे हैं, जो जानबूझकर, जानबूझकर और जानबूझकर विषाक्त धातुओं और रसायनों से बना है। उनके जहरीले इंजेक्शन के कारण दुनिया भर में कई और लोग मर रहे हैं, जिन्हें महामारी और टीकों के नाम पर मजबूर किया जा रहा है। साधारण लोग आपसे मुफ्त मौत की मांग नहीं करते हैं। इस धरती पर बहुत से लोग आपसे उन्हें शांति से रहने देने के लिए कहते हैं।

राजनेताओं और अमीर अभिजात वर्ग के मुख्यधारा के मीडिया शतरंज और मैराथन खेलों को 360 डिग्री कोण पर दिखाते हैं। इसके विपरीत, राजनेताओं और अमीर अभिजात वर्ग की नकली दवाओं को 360 डिग्री कोण पर भी नहीं दिखाया गया है। नकली दवा कंपनियों की दवा से होने वाले नुकसान को मीडिया अपने 360 डिग्री कोण पर भी नहीं दिखाता है, लेकिन योजनाबद्ध लड़ाई 360 डिग्री कोण पर होती है। वे एक डिग्री कोण से नहीं दिखाते हैं कि निर्दोष लोगों का वध किया जा रहा है, यहां तक कि एक डिग्री के कोण से भी नहीं कि निर्दोष मनुष्यों को टीकाकरण द्वारा मारा जा रहा है। राजनेताओं, दवा कंपनियों और अन्य लोगों के सहयोग से, मुख्यधारा के समाचार मीडिया आउटलेट दुनिया भर में मनुष्यों की सामूहिक हत्या करने के लिए जहरीले इंजेक्शन को आगे बढ़ा रहे हैं।

राजनेता जनता के टैक्स के पैसे से अरबों रुपये में दिवंगत राजनेताओं की मूर्तियां बनवा रहे हैं। लेकिन कोई संवेदना व्यक्त नहीं की गई है, और उन लोगों को कोई मुआवजा नहीं दिया गया है जिन्होंने इस नकली और घातक कोरोनावायरस पूर्व नियोजित महामारी और विषाक्त सीओवीआईडी -19 इंजेक्शन के कारण अपनी जान गंवा दी है। लेकिन राजनेता जनता के अरबों

के टैक्स के पैसे से एक ही राजनेता की मूर्तियां बना रहे हैं। क्या मूर्तियाँ महत्वपूर्ण हैं, या मनुष्यों के जीवित रहने के लिए भोजन महत्वपूर्ण है?

दुनिया भर में, कई देशों के राजनेता अमीरों के हित में किसानों के खिलाफ बेईमान कानून बना रहे हैं। लेकिन यहां कुछ लोग फिल्मी हस्तियों की मौत पर आंसू बहा रहे हैं. मीडिया, राजनेताओं और अमीर अभिजात वर्ग ने इस नकली कोरोनावायरस कोविड-19 महामारी को बनाया। उन्होंने महामारी के नाम पर अरबों रुपये चुराए। वे दुनिया भर में निर्दोष मनुष्यों (नागरिकों) को इंजेक्शन देकर और मनोवैज्ञानिक रूप से चोरी-छिपे कोरोना वायरस के टीकों को आगे बढ़ाकर बड़े पैमाने पर मार रहे हैं।

राजनेताओं के लिए अदालत में काम करने वाले कुछ लोग या न्यायाधीश मानव जाति के बारे में चिंता नहीं करते हैं; वे बिना सोचे-समझे अपनी आँखें बंद कर लेते हैं और सोचते हैं कि कहीं कुछ हो रहा है; वे बस ऐसे बैठे हैं, "हमें परवाह करने की आवश्यकता क्यों है? थोड़े से विवेक के बिना, उन्होंने स्वेच्छा से राजनेताओं, सरकारों, मुख्यधारा के समाचार मीडिया, बिल गेट्स जैसे अमीर अभिजात वर्ग और दवा कंपनियों द्वारा किए जा रहे नरसंहार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। वे महामारी के सामूहिक हत्यारों से मानवाधिकारों और मानवता की रक्षा के लिए आगे नहीं आते हैं। कारण यह है कि वे भी उन्हीं लोगों के गुलाम हैं। टीकाकरण के कारण मरने वाली जिंदगियों को आवाज नहीं देने वाली अदालत और उसके पदाधिकारी मणिपुर में यौन हिंसा, फर्जी विरोध और दंगों को आवाज दे रहे हैं। वे लोगों को गुमराह करने के लिए पैदा किए गए दंगों के बारे में चिंतित हैं।

राजनेताओं, सरकारों, संयुक्त राष्ट्र, दवा कंपनियों और कई अन्य लोगों ने इस नियोजित कोरोनावायरस महामारी को बनाने और लोगों से विषाक्त इंजेक्शन के साथ टीकाकरण करने के लिए धन एकत्र करने के लिए सहयोग किया है। वे कोरोना वायरस कोविड-19 इंजेक्शन का उपयोग कर रहे हैं जिसमें 2019 या उससे पहले पहले तैयार की गई जहरीली धातुएं होती हैं और टीकाकरण के नाम पर उन्हें धोखा दे रहे हैं। वे सभी कई निर्दोष बच्चों, महिलाओं और पुरुषों की हत्या कर रहे हैं। उनके ये जघन्य कृत्य दिखाते हैं कि वे कितने घृणित हैं।

राजनेताओं या किसी भी व्यक्ति को जिन्होंने इस महामारी को पैदा किया है और निर्दोष लोगों के खिलाफ नरसंहार कर रहे हैं, उन्हें इंसान भी नहीं मानना चाहिए। जो निर्दोष लोगों की हत्या करते हैं या उनके वध में भागीदार हैं, उन्हें इंसान भी नहीं माना जाना चाहिए। ये सभी अमानवीय जानवर हैं। क्योंकि बिना किसी विवेक के, मुख्यधारा के समाचार मीडिया के माध्यम से एक नकली महामारी की छवि बनाकर और दुनिया भर में बच्चों, महिलाओं और पुरुषों में जहरीले कोरोनावायरस सीओवीआईडी -19 को धकेलकर और इंजेक्ट करके, वे सामूहिक हत्या कर रहे हैं।

वे सांप्रदायिक दंगे और विभाजन पैदा करके मौत, धर्म और रंग के साथ राजनीति कर रहे हैं। वे जो कर रहे हैं वह राजनीति नहीं है, बल्कि वे जो कर रहे हैं वह विश्वासघात और साज़िश है। वे नकली महामारी पैदा करके और जहरीले इंजेक्शन को आगे बढ़ाकर जनता की बड़े पैमाने पर हत्या कर रहे हैं। वे मानव जाति की शांति को नष्ट कर रहे हैं। ये पूर्व-नियोजित महामारी

निर्माता लालची लाभ और व्यक्तिगत लाभ के लिए बिना किसी समझ और विवेक के दुनिया भर में सार्वजनिक लोगों की सामूहिक हत्या कर रहे हैं।

राजनेता, मीडिया, संयुक्त राष्ट्र और विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसे संगठन, विश्व आर्थिक मंच के सदस्य, और इसके सहयोगी और निगम झूठे जलवायु परिवर्तन प्रचार में लिप्त हैं। और वे अपने पाप और प्रकृति, विज्ञान और मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए प्रकृति को दोषी ठहराकर नरसंहार को सही ठहराते रहे हैं। और वे महामारी के नाम पर और 2017 और 2019 के बीच धातुओं से बने जहरीले इंजेक्शन लगाकर दुनिया भर में निर्दोष मनुष्यों के खिलाफ नरसंहार कर रहे हैं।

उनका फर्जी जलवायु परिवर्तन अभियान, पूर्व नियोजित फर्जी कोरोना वायरस महामारी अभियान, और लोगों के शरीर में भारी धातुओं के जानलेवा जहरीले कोविड-19 इंजेक्शन और जहरीले रसायनों के संयोजन को टीका बताकर उनकी सामूहिक हत्या कर रहे हैं। जहरीली धातुओं को इंजेक्ट करने का प्रचार भी मानवता के प्राकृतिक जीवन के खिलाफ है। न केवल उन्होंने इस महामारी को बनाया है, वे इसका उपयोग निर्दोष मनुष्यों (जनता) को मौत का कारण बनाने और इस पूर्व-नियोजित कोरोनावायरस महामारी से लाभ उठाने के लिए कर रहे हैं।

आगजनी द्वारा दुनिया भर के कुछ हिस्सों में नकली जलवायु परिवर्तन पैदा करने के लिए जंगलों को व्यवस्थित रूप से आग लगाई जा रही है। मुख्यधारा का मीडिया इसे जलवायु परिवर्तन संकट के रूप में एक नकली छवि बनाता है। जलवायु परिवर्तन के नाम पर अमानवीय लोगों द्वारा करोड़ों रुपये का पीछा किया जा रहा है, एक नकली महामारी पैदा की जा रही है और मानवता को गुलाम बनाने के लिए डिजिटल आईडी के नाम पर डिजिटल दासता लागू की जा रही है। वे कृत्रिम रूप से भूकंप बनाने और पानी के नीचे ड्रिल करने के लिए समुद्र के नीचे एक परमाणु बम का उपयोग करते हैं।

यह कोरोनावायरस कोविड-19 मानवता, विज्ञान और प्रकृति के खिलाफ पूर्व नियोजित था। यह नकली कोरोनावायरस किसी विशेष धर्म या जातीय समूह को लक्षित करने के लिए डिज़ाइन नहीं किया गया था। कोविड-19 वैक्सीन के कारण मरने वाले लोगों और धर्म के भीतर मानव जीवन को दबाना अमानवीय है। इस पृथ्वी पर दिखाई देने वाला हर जीवन कुछ मनुष्यों द्वारा सन्निहित अंधविश्वासी धर्म से परे है। इस पृथ्वी पर दिखाई देने वाला हर जीवन कुछ मनुष्यों द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए अंधविश्वासी विश्वास से परे है।

तथ्य अवलोकन: कोविड-19 कोरोनावायरस महामारी एक प्राकृतिक घटना या आपदा नहीं है। कोरोनावायरस कोविड-19 महामारी मनुष्यों द्वारा इस पृथ्वी से मानव जाति की सामूहिक हत्या करने के लिए पूर्व-नियोजित है। कोविड-19 के टीके जहरीली धातुओं और रसायनों से बने होते हैं। कोविड-19 इंजेक्शन जैविक-रासायनिक हथियार या जैव-रासायनिक हथियार हैं। जेफरी एपस्टीन के रहस्यों के सार्वजनिक होने के बाद 2015 से कोविड-19 महामारी की साजिश रची जा रही थी। इसके बाद, अगस्त 2019 में जेफरी एपस्टीन की जेल में रहस्यमय तरीके से हत्या कर दी गई थी। उन सभी ने लाभ के लिए दुनिया भर में जनता की सामूहिक हत्या करने के

लिए इस कोरोनावायरस सीओवीआईडी -19 महामारी को लॉन्च किया। वे सभी लगातार झूठ बोल रहे हैं और मानव जाति को धोखा दे रहे हैं।

नीचे जानकारी के कुछ टुकड़े दिए गए हैं जो दैनिक दिखाते हैं, कई निर्दोष बच्चों को विषाक्त दवाओं और विषाक्त इंजेक्शन द्वारा बड़े पैमाने पर मार दिया जाता है:

1. 21 जुलाई, 2023 को ओडिशा के सुबरनपुर में कई टीकाकरण के बाद 2 महीने के बच्चे की हत्या कर दी गई या उसकी मौत हो गई।

2. 24 जुलाई, 2023 को मध्य प्रदेश के मंदसौर में वैक्सीन लगने के बाद एक नवजात की मौत हो गई थी.

3. पोलियो, रोटावायरस और पेंटावेलेंट वैक्सीन के कारण 25 जुलाई, 2023 को एक 2 महीने के बच्चे की मौत हो गई।

4. 27 जुलाई, 2023 को उत्तर प्रदेश के कानपुर में वी-वैक्सीनेशन के कारण 11 महीने की बच्ची की मौत हो गई थी।

5. 28 जुलाई, 2023 को पेंटावेलेंट वैक्सीन लगाए जाने के 11 घंटे बाद उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 4 महीने के एक बच्चे की मौत हो गई। दुनिया भर में ऐसे कई बच्चों की हत्या की जा रही है।

6. इन बच्चों को इस धरती पर रहने के सभी प्राकृतिक अधिकार हैं। लेकिन अफसोस की बात है कि दवा कंपनियां, राजनेता और अमीर अभिजात वर्ग बिना किसी विवेक या मानवीय समझ के उनकी सामूहिक हत्या कर रहे हैं।

7. ऐसे कई मासूम बच्चों की हत्या दवा कंपनियों, राजनेताओं, संयुक्त राष्ट्र, विश्व स्वास्थ्य संगठन, विश्व आर्थिक मंच जैसे संगठनों और उनके सदस्यों और रॉकफेलर, बिल गेट्स आदि जैसे अमीर अभिजात वर्ग की साजिशों और अमानवीय कृत्यों द्वारा की जा रही है। ऐसे निर्दयी व्यक्ति और कई संगठन सदियों से एक झूठी छवि और धारणा बना रहे हैं कि मनुष्य जीवित रह सकते हैं यदि केवल टीकाकरण किया जाए। लेकिन यह सच नहीं है। हम सभी स्वाभाविक रूप से पैदा हुए प्राणी हैं, मनुष्य हैं, लेकिन दवा कंपनियां अपने स्वयं के स्वार्थी और लाभ-उन्मुख उद्देश्यों के लिए भारी विषाक्त धातुओं, जहरीले रसायनों, रोगाणुओं, सूक्ष्मजीवों, सूक्ष्मजीवों और जहरीले पदार्थों का टीकाकरण करती हैं जो मृत्यु का कारण बनती हैं, समाधान, और दवा के नाम पर, वे अप्रत्यक्ष रूप से मनुष्यों में इंजेक्शन लगाते रहे हैं और सदियों से मानव जाति का वध करते रहे हैं। वे लालची लाभ और शक्ति के लिए हमारी मानव जाति के प्राकृतिक डीएनए को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वे मानव जाति को नष्ट कर रहे हैं।

8. हमारे पूर्वजों ने कहा था कि प्राकृतिक भोजन दवा है; आधुनिक समय के अमानवीय प्राणी कहते हैं कि रासायनिक चिकित्सा भोजन है। वे ऐसी स्थिति पैदा कर रहे हैं जहां रासायनिक दवा भोजन है। वे इलाज और रोकथाम के लिए जहरीली दवाएं बनाकर मानवता को नष्ट कर रहे हैं। प्रकृति अनमोल है। लेकिन मनुष्य व्यक्तिगत लाभ और आनंद के लिए मानव जाति को नष्ट कर रहे हैं।

9. 1914 में, अमीर अभिजात वर्ग, राजनेताओं, सरकारों और अन्य लोगों ने प्रथम विश्व युद्ध बनाने के लिए गठबंधन किया। विश्व युद्ध की शुरुआत से पहले, मानव परीक्षण आयोजित किए गए थे, और उन सैनिकों के लिए टीकाकरण के नाम पर बीमारी पैदा करने वाले बैक्टीरिया को इंजेक्ट किया गया था जो बलि का बकरा थे। फिर उन्होंने युद्ध शुरू किया और सैनिकों और लोगों का नरसंहार किया। फिर, इस बीच, उन्होंने "महान इन्फ्लूएंजा" या "स्पेनिश फ्लू" नामक एक नकली महामारी बनाई और फॉर्मामिंट नामक एक जहरीली दवा दी, जो फॉर्मलाडेहाइड से बनी थी और कृत्रिम रूप से फुफ्फुसीय अल्सर और निमोनिया का कारण बनती थी, निर्दोष मनुष्यों का नरसंहार करती थी। उन्होंने फॉर्मेल्डिहाइड की फॉर्ममिंट टैबलेट भी बेची, जिससे गले में खराश जैसी समस्याएं हुईं। लेकिन, 1918 के "द ग्रेट इन्फ्लुएंजा" पूर्व-नियोजित नकली महामारी से पहले, उन्होंने 1912 से गले में खराश के उपचार के रूप में फॉर्मलाडेहाइड से बने फॉर्ममिंट टैबलेट का विज्ञापन किया। 1918 से, दुनिया भर में लोग विषाक्त फॉर्ममिंट दवाओं से मर गए और संक्रमण से नहीं मरे क्योंकि महामारी वर्तमान कोरोनावायरस महामारी की तरह एक घोटाला था।

    a. नकली इन्फ्लूएंजा महामारी बनाने के बाद, उन्होंने दुनिया भर में लोगों को फॉर्मेलिन गोलियां और एस्पिरिन जैसी जहरीली दवाएं दीं और एक नकली इन्फ्लूएंजा प्रकोप में निर्दोष लोगों की सामूहिक हत्या कर दी।

    b. एक और तथ्य यह है कि इस अवधि (1918) के दौरान संक्रामक रोगों का पता लगाने के लिए उनके पास कोई उपकरण या उपकरण नहीं था। अलग करने और वर्गीकृत करने के लिए कोई प्रयोगशाला परीक्षण या उपकरण नहीं हैं। लेकिन उन्होंने एक झूठा, नकली, अप्राकृतिक और अवैज्ञानिक प्रोटोकॉल बनाया और इसे मीडिया के माध्यम से लोगों के बीच फैलाया, जहरीली दवाओं को धोखा दिया और उन्हें दुनिया भर में बेच दिया। उस पूर्व नियोजित "द ग्रेट इन्फ्लुएंजा, 1918" में कई बच्चे और महिलाएं मारे गए थे मनुष्यों को यह समझने की जरूरत है कि हमारे पास स्वाभाविक रूप से प्रतिरक्षा है। प्रतिरक्षा इस धरती पर पैदा होने वाले जीवों को प्रकृति द्वारा प्रदान की जाने वाली एक ढाल है। लेकिन वे सदियों से कृत्रिम जहरीले रासायनिक इंजेक्शन को टीका बताकर कई नकली महामारियां पैदा कर रहे हैं और मनुष्यों की प्राकृतिक प्रतिरक्षा प्रणाली को नष्ट कर रहे हैं। दवा कंपनियां, राजनेता और अमीर अभिजात वर्ग नकली महामारी बनाकर और टीकों और रोकथाम के नाम पर जहरीले इंजेक्शन लगाकर मानव शरीर की प्राकृतिक प्रतिरक्षा प्रणाली को नष्ट कर रहे हैं।

c. ये पूर्व नियोजित कोरोनावायरस कोविड-19 महामारी निर्माता मनुष्यों के जीवन के प्राकृतिक तरीके को बदल रहे हैं। मनुष्य के रूप में, हमने अपने प्राकृतिक वातावरण को बदल दिया है और प्रकृति के मार्ग से दूर जा रहे हैं।

d. दवा कंपनियां वैक्सीन होने का दावा करते हुए अपने आकर्षक जहरीले इंजेक्शन बेचने के लिए कई फर्जी कागजात बना रही हैं। केवल आधुनिक चिकित्सा में अनंत लाइलाज दुष्प्रभाव या बीमारियां होती हैं जो प्रकृति का कारण भी नहीं बनती हैं। प्रकृति हमेशा इलाज देती है न कि साइड इफेक्ट। प्रकृति के बिना, मनुष्य कुछ भी नहीं है।

e. दवा कंपनियां वैक्सीन होने का दावा करते हुए अपने आकर्षक जहरीले इंजेक्शन बेचने के लिए कई फर्जी कागजात बना रही हैं। केवल आधुनिक चिकित्सा में अनंत लाइलाज दुष्प्रभाव या बीमारियां होती हैं जो प्रकृति का कारण भी नहीं बनती हैं। प्रकृति हमेशा इलाज देती है न कि साइड इफेक्ट। प्रकृति के बिना, मनुष्य कुछ भी नहीं है।

f. अंग्रेजी चिकित्सा, या आधुनिक चिकित्सा, लगभग 111 साल पुरानी है। इस दवा ने मनुष्य के लिए कई चमत्कार किए हैं और संघर्ष कर रहे लोगों को प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करके कई लोगों की जान बचाई है। लेकिन इस आधुनिक चिकित्सा की उत्पत्ति रॉकफेलर जैसे अमीर लोगों की साजिशों द्वारा संरचित है। अमीर अपने लाभ के लिए आधुनिक चिकित्सा को नियंत्रित कर रहे हैं, मानवता के लिए नहीं। वे बीमारियों का इलाज नहीं करना चाहते हैं, लेकिन वे अपनी भलाई और लाभ के लिए विषाक्त दवाओं के माध्यम से लोगों को बीमारियां पैदा करना चाहते हैं। और वे नकली महामारी पैदा करके और टीकों के नाम पर जहरीले इंजेक्शन लगाकर दुनिया भर में निर्दोष मनुष्यों के लिए बीमारियां पैदा कर रहे हैं और मौतों का कारण बन रहे हैं। वे मीडिया के माध्यम से एक झूठी छवि या एक बीमारी का मिथक बनाने के लिए कई झूठ फैला रहे हैं जो मौजूद नहीं है, यह दावा करते हुए कि एक बीमारी है जो मौजूद नहीं है। और वे टीकों के नाम पर जहरीले इंजेक्शन लगाकर निर्दोष मनुष्यों की सामूहिक हत्या करते हैं।

g. उन्हें मानव जाति से इतनी घृणा क्यों है? क्या वे मानव जाति को नष्ट करने और 10,000 से अधिक वर्षों तक जीवित रहने जा रहे हैं? इस प्रकृति (पृथ्वी) में कुछ भी स्थायी नहीं है। निर्दोष लोग और बच्चे जिन्होंने पाप नहीं किया है, उन्हें दवा कंपनियों, राजनेताओं, सरकारों और अन्य लोगों द्वारा हमेशा के लिए मार दिया जाता है। इस धरती पर जीवन की यात्रा पर, कुछ अमानवीय समूह कई एजेंडों को आगे बढ़ा रहे हैं और साथी मनुष्यों को नियंत्रित करने और उन्हें गुलाम बनाने के लिए निर्मम हत्याएं कर रहे हैं। राजनेता, सरकारें, गैर-सरकारी संगठन, दवा कंपनियां और अमीर अभिजात वर्ग लगातार प्रकृति के जीवन को छोड़कर आम लोगों को बीमार रखने के लिए कई नकली महामारियां और कृत्रिम विनाश पैदा

कर रहे हैं। यदि वे ऐसा सोचते हैं तो वे इस धरती पर शांति स्थापित कर सकते हैं। लेकिन उनके स्वार्थी इरादे, दूसरों के जीवन के बजाय पैसे और शक्ति के लिए, कई बीमारियों को पैदा करते हैं और मौतों का कारण बनते हैं।

10. 1939 में, उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध को उकसाया। बिना किसी ठोस सबूत के मैं यह नहीं कह सकता कि इसमें 60 लाख यहूदियों की मौत हुई या नहीं। लेकिन मैं साबित कर सकता हूं कि दोनों तरफ कई निर्दोष लोगों की हत्या की गई। हां, सभी युद्ध एक पूर्व-नियोजित साजिश हैं, और अमीर अभिजात वर्ग और कुछ लोगों का व्यवसाय मानव जाति को गुलाम बनाना है।

    a. 1939 से 1945 तक, युद्धों में कई निर्दोष लोगों का नरसंहार किया गया था। द्वितीय विश्व युद्ध में, कई शारीरिक रूप से अक्षम मनुष्यों को जिंदा जला दिया गया था; इसके पीछे राजनेता, अमीर अभिजात वर्ग और मीडिया थे।

11. 1950 के दशक से 1960 के दशक तक, पोलियो वैक्सीन के नाम पर, उन्होंने बंदरों के सूक्ष्मजीव को गुणा किया और इसे दुनिया के कई हिस्सों में लोगों में इंजेक्ट किया, जिससे स्ट्रोक और कैंसर हुआ।

12. 1981 में, उन्होंने एचआईवी / एड्स नामक एक और नकली महामारी बनाई। उन्होंने रोकथाम, इलाज और उपचार का दावा करके दुनिया भर में निर्दोष लोगों में एजेडटी नामक एक जहरीली दवा को धोखा दिया, उनकी प्राकृतिक प्रतिरक्षा प्रणाली को नष्ट कर दिया और उन्हें विवेक के बिना मार डाला।

धारा 2: नकली महामारी और सामूहिक हत्याएं, और टीकाकरण के कारण होने वाली लाइलाज बीमारियां और मौतें

"मानव जाति को अमानवीय पुरुषों और अमानवीय पुरुषों के झूठ और साज़िशों द्वारा मार दिया जाता है।

इस दस्तावेज़ में सच्चाई पढ़ने के बाद, आप सोच सकते हैं कि आप मुझे मारना चाहते हैं। मुझे मारने से पहले, अपनी आँखें बंद करें, कुछ मिनटों के लिए सोचें, और अपने आप से पूछें, "क्या मैं एक आदमी या जानवर हूं? फिर अगर तुम्हारा दिमाग मानवता तक नहीं पहुंचता है, तो मुझे यातना देने के बजाय, मुझे मार डालो। आप जो अमानवीय कृत्य कर रहे हैं, उसे एक निर्दोष सहन नहीं कर सकता। पाप कर्म करना बंद करो। नकली संकट और पूर्व नियोजित नकली महामारी पैदा करना बंद करें।

-रखेश जघादिश एल

अब अमानवीय सरकारें, राजनेता, विश्व स्वास्थ्य संगठन, दवा कंपनियां, मीडिया और कई अन्य लोग कोविड-19 टीकों के नाम पर जहरीली भारी धातुओं और रसायनों को इंजेक्ट करके

दुनिया भर में निर्दोष लोगों का मनोवैज्ञानिक रूप से ब्रेनवॉश कर रहे हैं और उनकी हत्या कर रहे हैं।

अगर यह कोरोना वायरस एक नकली महामारी है, तो यह कैसे फैलेगा? यह कोरोनावायरस अमानवीय द्वारा मानव जाति के खिलाफ एक योजनाबद्ध हत्या योजना है।

पूर्व नियोजित फर्जी कोविड-19 महामारी पैदा करना और टीकाकरण के नाम पर पूरी दुनिया में निर्दोष नागरिकों को धोखा देना और निर्दोष नागरिकों के शरीर में जहरीली धातुओं और रसायनों से युक्त जहरीले इंजेक्शन को बेरहमी से और अमानवीय तरीके से इंजेक्ट करना, राजनेता, सरकारें, मुख्यधारा के टेलीविजन समाचार मीडिया, संयुक्त राष्ट्र (यूएन), विश्व आर्थिक मंच, विश्व स्वास्थ्य संगठन, बिल गेट्स और उनके बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, रॉकफेलर फाउंडेशन, वेलकम ट्रस्ट, फाइजर फार्मास्युटिकल कंपनी, एस्ट्राजेनेका फार्मास्युटिकल कंपनी, सीरम इंस्टीट्यूट, मॉडर्ना फार्मास्युटिकल कंपनी और कई अन्य जैसी दवा कंपनियां उम्र की परवाह किए बिना निर्दोष सार्वजनिक लोगों का वध कर रही हैं। वे मानव अधिकारों और प्रकृति का उल्लंघन कर रहे हैं और प्रकृति, मानव जाति और विज्ञान के खिलाफ अपराध कर रहे हैं। यदि इस वध को नहीं रोका गया, तो यह मानव जाति को नष्ट कर देगा। वे नकली महामारियां पैदा करना जारी रखेंगे, व्यवस्थित रूप से कई नकली युद्ध पैदा करेंगे और इस पृथ्वी से मानव जाति को नष्ट कर देंगे। कृपया निर्दोष लोगों को मत मारो। कृपया मानव जाति की रक्षा करें।

मैंने अक्सर कई अदालतों और मानवाधिकार संगठनों को इस भयावह महामारी और नरसंहार के बारे में सूचित किया है। फिर भी, ऐसा लगता है कि वे भी महामारी और टीकों के नाम पर धोखा देकर जहरीले इंजेक्शन लगाकर मौत का कारण बनना चाहते हैं। कृपया मानवता के साथ व्यवहार करें। निर्दोष लोगों को मत मारो और इससे लाभ उठाओ। यह नकली महामारी नाटक जो आप चला रहे हैं, मानव जाति को बहुत दर्द दे रहा है।

"कोरोनावायरस" शब्द का उपयोग एक नकली कोरोनावायरस महामारी पैदा करने के लिए करना और मनोवैज्ञानिक रूप से लोगों को वैक्सीन होने का दावा करके और इसे मनुष्यों (प्राणियों) के शरीर में इंजेक्ट करना और उनकी सामूहिक हत्या करना और इस तरह कई हजार करोड़ रुपये (डॉलर) का लाभ कमाना एक पापपूर्ण, क्रूर कार्य है। यह एक क्रूर कृत्य है, एक अमानवीय कृत्य है।

वे सभी नरसंहार कर रहे हैं और टीकाकरण के बहाने जहरीले इंजेक्शन देकर निर्दोष मनुष्यों के खिलाफ जघन्य कर रहे हैं।

नीचे मैं इस नकली कोरोनावायरस महामारी के तथ्य, प्रमाण और साक्ष्य का उल्लेख करता हूं,

1. कोरोना वायरस एक सुनियोजित फर्जी महामारी है। 2019 से पहले इस नकली कोरोनावायरस महामारी की योजना संयुक्त राज्य अमेरिका, सेना, बिल गेट्स, उनके जैसे अमीर अभिजात वर्ग, विश्व आर्थिक मंच, संयुक्त राष्ट्र, विश्व स्वास्थ्य संगठन और कई दवा कंपनियों के राजनेताओं द्वारा बनाई गई थी।

a. अधिक सटीक रूप से, 2015 से, वे इस नकली कोरोनावायरस की योजना बना रहे थे। यह नकली कोरोनावायरस महामारी राजनेताओं, मुख्यधारा के मीडिया और दवा कंपनियों का झूठ है। विश्व युद्ध से लेकर महामारी तक सब कुछ एक झूठ, एक नकली और एक जानबूझकर साजिश है। हर युद्ध अमानवीय का व्यवसाय और साज़िश है। केवल निर्दोष नागरिक ही युद्ध ों के शिकार हुए हैं, युद्ध भड़काने वाले नहीं।

2. आप जो चित्रित इतिहास पढ़ रहे हैं वह झूठ बोल रहा है। वास्तविक इतिहास इस दस्तावेज़ में निहित है। मानव जाति का विनाश मानव जाति की अज्ञानता से शुरू होता है। इस संसार को अमानवीय जानवरों (अमानवीय प्राणियों) द्वारा नष्ट किया जा रहा है। यहां किसी भी बीमारी का पूरा इलाज नहीं है। प्रकृति ही एकमात्र इलाज है। केवल प्रकृति में बीमारी का इलाज करने की शक्ति है। लेकिन केमिकल फार्मास्युटिकल कंपनियां अच्छाई और हीलिंग का भ्रम पैदा कर रही हैं, दुनिया भर में निर्दोष लोगों को जीवन और मानवता के लिए हानिकारक जहरीली रासायनिक दवाएं दे रही हैं और सामूहिक हत्याओं को अंजाम दे रही हैं। आपका विश्वास एक भ्रम है। मानव जाति खंडहर में है, और जो लोग धर्म में अंधविश्वास में विश्वास करते हैं, वे नकली महामारियों में विश्वास करने की अधिक संभावना रखते हैं। मानव निर्मित धर्म और इस पूर्व-नियोजित नकली कोरोनावायरस प्रकोप के बीच केवल एक अंतर है; दोनों को मनुष्यों को गुलाम बनाने और उन्हें अंधेरे भ्रम में रखने के लिए बनाया गया था।

3. यदि हत्या करना पाप है, तो उस हत्या को रोकना भी महापाप है। कानून निर्दोष लोगों की रक्षा नहीं करता है क्योंकि निर्दोष लोगों को भारी संख्या में मार दिया जाता है। आखिरकार, न्याय प्रदान करने वाला न्यायाधीश कानून का उल्लंघन करता है। कृपया फर्जी महामारी का ड्रामा बंद करें। नकली बीमारियों को पैदा करना बंद करो। उन बीमारियों के इलाज के नाम पर जहरीली दवाएं देकर निर्दोष लोगों की सामूहिक हत्या करना बंद करो जो मौजूद नहीं हैं। कृपया, इंसान बनो। मानव जाति का भला करो।

4. दुनिया भर में मासूम बच्चों, महिलाओं और पुरुषों की सामूहिक हत्या करने के लिए इस नकली कोरोनावायरस महामारी का उपयोग करना बंद करें, जिन्होंने कभी गलती नहीं की है और उजागर नहीं हुए हैं।

5. प्राथमिक स्रोत एक: प्राथमिक स्रोत के अनुसार, 15 मई, 2018 को, क्लेड एक्स, एक महामारी प्रशिक्षण, वाशिंगटन डीसी, अमेरिका में जॉन्स हॉपकिंस सेंटर फॉर हेल्थ सिक्योरिटी द्वारा आयोजित किया गया था। उस अभ्यास में, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रमुख हस्तियों ने नकली संक्रमणों पर नकेल कसने के लिए प्रशिक्षण में भाग लिया। नीचे मैं उन लोगों के नामों का उल्लेख करता हूं जिन्होंने इस नकली-महामारी प्रशिक्षण में भाग लिया:

a. जॉन बेलिंगर III, जिम टैलेंट, जेमी गोरलिक, मार्गरिट हैम्बर्ग, तारा ओ'टोल, जेफरी स्मिथ, टॉम डैश्ले, प्रतिनिधि सुसान ब्रूक्स और जूली गेरबर्डिंग क्लेड एक्स पूर्व-नियोजित महामारी रिहर्सल के प्रतिभागी और खिलाड़ी हैं। उनका एकमात्र उद्देश्य विषाक्त इंजेक्शन लगाकर लाइलाज बीमारियां पैदा करना, टीकाकरण के नाम पर दुनिया भर में निर्दोष मनुष्यों को मारना और मौतों का कारण बनकर लाभ उठाना है। वे महामारियों की भविष्यवाणी नहीं कर रहे हैं, लेकिन राजनेता, सरकारें, दवा कंपनियां, बिल गेट्स और संयुक्त राष्ट्र और विश्व आर्थिक मंच जैसे संगठन और इसके सदस्य और भागीदार सभी महामारियों की भ्रम और झूठी छवि बना रहे हैं, अपने एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं और दुनिया भर में निर्दोष मनुष्यों की सामूहिक हत्या करने के लिए जहरीले इंजेक्शन दे रहे हैं।

b. इस नकली और पूर्व नियोजित नकली कोरोनावायरस (सीओवीआईडी -19) महामारी के कारण, राजनेता, सरकारें, दवा कंपनियां, बिल गेट्स और संयुक्त राष्ट्र और विश्व आर्थिक मंच जैसे संगठन और इसके सदस्य और भागीदार मानव जाति को अपूरणीय क्षति पहुंचा रहे हैं।

6. इस पूर्व नियोजित महामारी में शामिल नेताओं, सरकारों, दवा कंपनियों, बिल गेट्स और संयुक्त राष्ट्र और विश्व आर्थिक मंच जैसे संगठनों और इसके सदस्यों और भागीदारों के अमानवीय कृत्य के कारण अरबों लोग, ज्यादातर दुनिया भर में, पीड़ित हैं। कोरोना वायरस कोविड-19 टीकाकरण की आड़ में मजबूर किए गए जहरीले धातुओं के जहरीले इंजेक्शन के माध्यम से उनके द्वारा लाखों लोगों की सामूहिक हत्या कर दी गई है। फिर भी, दुनिया भर में निर्दोष सार्वजनिक लोग राजनेताओं, मीडिया, दवा कंपनियों, बिल गेट्स जैसे धनी व्यक्तियों और संयुक्त राष्ट्र, विश्व स्वास्थ्य संगठनों, ईयू, विश्व आर्थिक मंच और उसके सदस्यों और भागीदारों जैसे संगठनों द्वारा मजबूर विषाक्त इंजेक्शन के कारण लाइलाज बीमारियों (साइड इफेक्ट्स), रक्त के थक्कों, कैंसर, हृदय क्षति, और बहुत कुछ से मर रहे हैं और पीड़ित हैं।

7. पैराग्राफ 6 में ऊपर उल्लिखित व्यक्ति, संगठन और सिस्टम गलतियाँ या त्रुटियां नहीं कर रहे हैं। वे सभी जानबूझकर, जानबूझकर, और नकली महामारी, युद्ध, दंगे और अमानवीय नकली संकट पैदा करके दुनिया भर में मनुष्यों की सामूहिक हत्या कर रहे हैं। लेकिन मानव जाति के खिलाफ अपने बर्बर कृत्य को ढंकने के लिए, वे सभी दवा कंपनियों के "टीकाकरण के नाम पर जहरीले इंजेक्शन लगाकर महामारी के नाम पर होने वाले चिकित्सा नरसंहार" की रक्षा और बढ़ावा देने और समर्थन करने के लिए कानून बना रहे हैं। वे सभी सामूहिक हत्यारों और जैव-रासायनिक वैक्सीन (ड्रग) युद्ध अपराधियों को बचाने के लिए निर्दोष मनुष्यों के खिलाफ कानून बना रहे हैं। दुनिया भर में राजनेता जो दवा कंपनियों द्वारा नियंत्रित हैं और बिल गेट्स और कॉर्पोरेट जैसे अमीर लोग देश के निर्दोष आम नागरिकों के खिलाफ कानून बना रहे हैं। इस तरह के अत्याचार केवल पृथ्वी पर होते हैं।

8. राजनेता लाखों भ्रष्टाचार कर रहे हैं, और निर्दोष लोग मर रहे हैं। निर्दोष आम जनता को राजनेताओं और दवा और पूर्व-नियोजित महामारी अत्याचारों से बचाने के लिए कोई कानून नहीं है। लेकिन न्यायपालिका प्रणाली, जो राजनेताओं, उनकी सरकारों और दवा कंपनियों के कल्याण के लिए काम करती है, सामूहिक हत्याओं की रक्षा करती है।

9. प्राथमिक स्रोत दो: इस नकली कोविड-19 महामारी को फैलाने से पहले नकली कोरोनावायरस संक्रमण बनाने वाले मनुष्यों ने "इवेंट 201" नामक एक और महामारी रिहर्सल या नाटक का मंचन किया है। उस मॉक महामारी रिहर्सल का नाम "इवेंट 201" है। जॉन्स हॉपकिंस हेल्थ सिक्योरिटी सेंटर ने विश्व आर्थिक मंच और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सहयोग से 18 अक्टूबर, 2019 को न्यूयॉर्क, एनवाई में एक उच्च स्तरीय महामारी अभ्यास इवेंट 201 की मेजबानी की। ये महामारी अभ्यास नहीं हैं क्योंकि उनकी महामारी रिहर्सल मानवता के खिलाफ एक सुनियोजित साजिश है।

    a. यह इवेंट 201 रिहर्सल, ड्रामा, या सिमुलेशन कोरोनावायरस के बारे में है। इस महामारी और युद्ध रचनाकारों ने 18 अक्टूबर, 2019 को इवेंट 201, महामारी रिहर्सल का आयोजन किया, एक महीने पहले महामारी का जादू पैदा करने वालों ने निर्दोष लोगों के बीच कोरोनावायरस की नकली छवि बोई। मैं नीचे उन निर्दयी लोगों के नाम का उल्लेख करता हूं जिन्होंने इवेंट 201 में भाग लिया,

    b. लैटोया डी एबॉट, सोफिया बोर्गेस, ब्रैड कोनेट, क्रिस एलियास, टिमोथी ग्रांट इवांस, जॉर्ज फू गाओ, एवरिल हेन्स, जेन हाल्टन, मैथ्यू जे हैरिंगटन, मार्टिन नुचेल, एडुआर्डो मार्टिनेज, स्टीफन सी रेड, हस्ती तागी, लावन थिरु, एड्रियन थॉमस उन 15 लोगों में से थे जिन्होंने इवेंट 201 में भाग लिया।

    c. उनका उद्देश्य इलाज और रोकथाम के नाम पर निर्दोष नागरिकों को विषाक्त इंजेक्शन और दवाओं के साथ इंजेक्शन देकर सामूहिक हत्या करने के लिए कई और नकली महामारियां बनाना है। क्योंकि वे मानव जाति से नफरत करते हैं, वे सभी विश्व आर्थिक मंच के सदस्य और हितधारक हैं। उनकी नीति नकली युद्ध, महामारी और संकट पैदा करने और उनसे लाभ उठाने की है।

    d. 2017 और 2019 के बीच, जैव-रासायनिक हथियार, जहरीले भारी धातुओं और जहरीले रसायनों से बने कोरोनावायरस सीओवीआईडी -19 इंजेक्शन, निर्दोष लोगों की सामूहिक हत्या करने की योजना बनाई गई है। अब वे जहरीले धातुओं और रसायनों से बने उस जैव-रासायनिक हथियार को कोविड वैक्सीन के नाम पर धोखा देकर निर्दोष नागरिकों (इंसानों) के शरीर में इंजेक्ट करके इस्तेमाल कर रहे हैं और सामूहिक हत्या कर रहे हैं। मैं पैराग्राफ 8 में नीचे दिए गए इस प्रमाण का भी उल्लेख करूंगा।

10. प्राथमिक स्रोत तीन: 04 सितंबर, 2019 को "4चान" नामक एक ऑनलाइन फोरम वेबसाइट पर, उस ऑनलाइन फोरम में, कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने 12 दिसंबर, 2019 को

कोरोनोवायरस सीओवीआईडी -19 महामारी शुरू होने से दो महीने पहले विषाक्त धातुओं से बने इंजेक्शन से होने वाली मौतों के बारे में बातचीत की थी। यह सबूत इस बात की पुष्टि करता है कि कोरोनोवायरस महामारी एक बड़े पैमाने पर नरसंहार और धोखाधड़ी है। मैं नीचे उस बातचीत का उल्लेख करूंगा; नीचे दी गई बातचीत कोरोनोवायरस सीओवीआईडी -19 महामारी की शुरुआत से तीन महीने, एक सप्ताह और एक दिन (99 दिन) पहले हुई थी।

a. बुधवार, सितंबर 2019 को 17:37:46 बजे, ऑनलाइन 4चान वेबसाइट पर एक अज्ञात व्यक्ति ने पूछा, "अगले 50 वर्षों में वैश्विक संघर्ष या एक बड़े महाद्वीपीय युद्ध की संभावना क्या है? इराक/अफगान बकवास नहीं, मेरा मतलब युद्ध है। उन्होंने इसे पोस्ट किया।

b. फिर एक अन्य व्यक्ति ने बुधवार, सितंबर 2019 को 17:45:17 बजे "4CHAN" ऑनलाइन वेबसाइट पर कहा, "2020-2021 में किसी भी बड़ी घटना में 9-10 मिलियन अमेरिकी मारे जाएंगे। मुझसे मत पूछो कि मैं यह कैसे जानता हूं। इसे 4CHAN ऑनलाइन वेबसाइट पर पोस्ट किया गया है। फिर से उसी अनाम व्यक्ति ने कहा, "2020 की सर्दियों में घातक वायरस के लिए जारी किए जाने वाले किसी भी टीके को स्वीकार न करें। यह पश्चिमी तट राज्य में एक सैन्य अभियान के साथ काम करने वाली एक दवा कंपनी से निकलेगा। यह प्रमुख शहरों में सटीक रूप से लगाया जाएगा, और यह फ्लू जैसे लक्षण पैदा कर सकता है और वृद्ध लोगों और बच्चों के लिए खतरनाक हो सकता है; मीडिया घोषणा करेगा कि यह सभी के लिए खतरनाक है, लेकिन यह एक धोखा है। वैक्सीन असली हत्यारा होगा, बहुत कुछ," उन्होंने 4चान ऑनलाइन वेबसाइट पर पोस्ट किया। आप कह सकते हैं कि यह मनगढ़ंत है, लेकिन सच्चाई यह है कि उस अनाम बातचीत का नीचे दिया गया डेटा सटीक है, और इसे सितंबर 2019 में ऑनलाइन संग्रहीत किया गया था।

Anonymous ID:FoT86R5e Wed 04 Sep 2019 17:54:45 No.225499413 Sweden Flag
It will originate from a pharmaceutical company working with military op's in a west coast state. It will be accurately planted in major cities, and It will cause flue like symptoms and may be deadly to elders and babies, but the media will report it as deadly for everyone but It's a hoax, the vaccine will be the real killer packed with copious amounts of toxic metals.
https://archive.4plebs.org/pol/thread/225497848/
Data from 4CHAN: Wednesday, September 04, 2019

c. ऊपर उल्लिखित बातचीत कोरोनोवायरस सीओवीआईडी -19 महामारी की शुरुआत से 99 दिन पहले हुई थी। लेकिन वास्तव में, कोविड-19 वैक्सीन में जहरीली धातुएं होती हैं, जैसा कि जून 2022 में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चलता है। जून 2022 में, वैज्ञानिकों ने फाइजर फार्मास्युटिकल कंपनी,

एस्ट्राजेनेका फार्मास्युटिकल कंपनी और मॉडर्ना फार्मास्युटिकल कंपनी के कोविड-19 वैक्सीन में विषाक्त धातुओं और रसायनों की खोज की। उन्होंने जहरीले धातुओं और रसायनों से बने जैव-रासायनिक इंजेक्शन के साथ निर्दोष नागरिकों की सामूहिक हत्या करने के लिए कोरोनोवायरस सीओवीआईडी -19 झूठी छवि बनाई।

11. उनकी एकमात्र नीति, एजेंडा और निरंतर हत्या कार्यक्रम एक नकली महामारी पैदा करना है, फिर आम जनता के बीच महामारी की झूठी छवि बनाने के लिए मीडिया का उपयोग करना है, और फिर उन दवाओं को इंजेक्ट करके सार्वजनिक लोगों को धोखा देना और हत्या करना है जो जीवन के लिए खतरनाक जहरीले रसायनों और धातुओं से बने हैं। ये सभी हर महामारी के दौरान एक ही क्रूर रणनीति का उपयोग कर रहे हैं।

12. वे न केवल हत्यारे हैं, बल्कि यौन सुख के लिए बच्चों के तस्कर भी हैं। वे अप्रत्यक्ष रूप से बड़े पैमाने पर सेक्स और मानव तस्करी के कारोबार को अंजाम दे रहे हैं। यह केवल संयुक्त राज्य अमेरिका में है कि बच्चे सबसे अधिक गायब हो जाते हैं। कारण यह है कि वे सभी सबसे महत्वपूर्ण मानव तस्कर हैं। बिल गेट्स जेफरी एपस्टीन के क्लाइंट हैं।

    a. जेफरी एपस्टीन कौन है, और वह इस महामारी के कारणों में से एक क्यों है?

    जेफरी एपस्टीन, एक अमेरिकी और यहूदी, 20 जनवरी, 1953 को पैदा हुआ था, और 10 अगस्त, 2019 को जेल में रहस्यमय तरीके से मर गया (हत्या)। नीचे दिए गए अनुभाग 5 को देखें।

13. ये सभी मानसिक रूप से बीमार जानवर हैं जिनमें मानवता के लिए नफरत है। वे निर्दोष नागरिकों को मारने के लिए बेरहमी से नकली युद्ध पैदा कर रहे हैं। ये सभी परजीवी हैं जो जनता का खून चूसते हैं।

14. इस नकली कोरोनावायरस के निर्माताओं ने निर्दोष नागरिकों को धोखा देने के लिए न केवल "कोरोनावायरस" शब्द का इस्तेमाल किया; वे मुख्यधारा के टेलीविजन मीडिया के माध्यम से अंतहीन झूठ फैला रहे हैं और जहरीली धातुओं से बने इंजेक्शन के साथ निर्दोष नागरिकों का वध कर रहे हैं।

15. प्राथमिक साक्ष्य, वैज्ञानिक साक्ष्य, सामान्य ज्ञान साक्ष्य, वास्तविक घटनाओं के साक्ष्य और प्राकृतिक साक्ष्य के अनुसार, यह कोरोनावायरस महामारी सबसे बड़ी ऐतिहासिक धोखाधड़ी है। वे इस नकली कोरोनावायरस महामारी का उपयोग दुनिया भर में निर्दोष नागरिकों का नरसंहार करने के लिए कर रहे हैं।

16. राजनेताओं, सरकारों, मीडिया, बिल गेट्स, संयुक्त राष्ट्र, विश्व आर्थिक मंच, विश्व स्वास्थ्य संगठन, गैर-सरकारी संगठनों और दवा कंपनियों जैसे अंतर-सरकारी संगठनों ने 2017 और 2019 में विषाक्त धातुओं के साथ योजना बनाई। बीच-बीच में बने इंजेक्शन ों

को कोविड वैक्सीन के बहाने बहकाकर दुनियाभर के नागरिकों में इंजेक्ट किया जा रहा है और नरसंहार को अंजाम दिया जा रहा है.

17. कोविड टीकाकरण के बहाने गैर-कर्तव्यनिष्ठ अमानवीय मानव जानवरों द्वारा निर्दोष नागरिकों के बीच लगाए गए कोविड-19 इंजेक्शन असाध्य मस्तिष्क ट्यूमर, स्ट्रोक, कैंसर, तंत्रिका संबंधी विकार, प्रजनन विकार और मनुष्यों में मृत्यु का कारण बनते हैं।

18. वे कोविड वैक्सीन होने का दावा करते हुए जहरीली धातुओं और रसायनों से बने इंजेक्शन मनुष्यों को दे रहे हैं, जो बीमारियों का कारण बनता है। उनके जहरीले कोरोना वायरस इंजेक्शन के कारण मनुष्यों का डीएनए नष्ट हो रहा है। वे सभी व्यक्तिगत लालच और व्यक्तिगत लाभ के लिए मानव जाति को नष्ट कर रहे हैं। डी.एन.ए. के अध: पतन के कारण मानव शरीर में कैंसर विकसित होता है, जीन के टूटने के कारण कैंसर होता है। कुछ लोगों का कहना है कि ये कोरोनावायरस इंजेक्शन जीन थेरेपी हैं; कृपया झूठ न बोलें क्योंकि कोरोनावायरस इंजेक्शन भारी विषाक्त धातुओं और रसायनों से बने होते हैं। यह मनुष्यों के लिए बहुत खतरनाक है। कोविड-19 के टीके जीन थेरेपी नहीं हैं।

19. कुछ लोगों का कहना है कि कोविड-19 कोरोना वायरस चीन से आया है। कृपया झूठ मत बोलिए। यह चीन या इस पृथ्वी के किसी भी हिस्से से नहीं आता है; यह राजनेताओं के मुंह से निकला झूठ है। यह कोरोनावायरस कोविड-19 महामारी पूरी तरह से घोटाला है और महामारी और युद्ध निर्माताओं का झूठ है। कोरोनावायरस कोविड-19 इंजेक्शन मानव जाति को नष्ट करने के लिए बनाए गए जैव-रासायनिक हथियार हैं।

20. प्रकृति (डी.एन.ए.) मानव जाति के लिए महत्वपूर्ण है। यदि डीएनए विकृत है, तो यह बीमारी और मृत्यु का कारण बन सकता है। ये कोरोना वायरस इंजेक्शन इंसान के इम्यून सिस्टम और इंसान के प्राकृतिक जीवों को नष्ट कर रहे हैं। क्योंकि यह कोरोनावायरस इंजेक्शन भारी विषाक्त धातुओं और रसायनों से बना है जो डीएनए को नुकसान पहुंचाते हैं, इसलिए डीएनए के विरूपण के कारण बच्चा आंख, सुनवाई, हाथ और कई अंगों के बिना पैदा होगा। यह रसायनों के माध्यम से सक्रिय रूप से होगा। दवा कंपनियां अपने दवा उत्पादों को बेचने के लिए महामारी नाटक बना रही हैं। वे मानव जाति को जहर दे रहे हैं। वे प्रकृति और इस पृथ्वी के तत्वों के खिलाफ एक महान पाप कर रहे हैं। यदि आप इतिहास का अध्ययन करते हैं, तो आपको कई सच्चाइयों का पता चलेगा।

21. 1900 के दशक के बाद से, तत्कालीन सरकारों द्वारा कई नकली संक्रमण बनाए गए हैं, तत्कालीन-रासायनिक कंपनियों को अब दवा कंपनियों के रूप में जाना जाता है, तत्कालीन कुलीन रोथ्सचिल्ड्स, रॉकफेलर और कई इनह्यूमन। विशेष रूप से, "द ग्रेट इन्फ्लुएंजा", 1918 में मीडिया, राजनेताओं, दवा कंपनियों और अभिजात वर्ग द्वारा बनाई गई एक पूर्व-नियोजित महामारी, और 1981 में उसी विचारधारा वाले इनह्यूमन द्वारा बनाई गई नकली महामारी "एचआईवी / एड्स"। वे महामारी का भ्रम पैदा करने के लिए कई फर्जी संक्रमण और मामले बनाते हैं। हाँ, सच में. एचआईवी/एड्स जैसी कोई चीज

नहीं है। सब कुछ झूठा और कपटपूर्ण है। वर्तमान जनता को पूर्व नियोजित एचआईवी / एड्स महामारी को समाप्त करने की आवश्यकता होनी चाहिए।

a. सबूत यह है कि "ग्रेट इन्फ्लुएंजा" पूर्व-नियोजित महामारी 1918 में शुरू हुई थी। उस समय के लोग महामारी से नहीं मरे थे। राजनेताओं, सरकारों और दवा रसायन कंपनियों ने कायरतापूर्वक लोगों को फॉर्मिमिंट नामक दवा दी जो 1918 की महामारी में फॉर्मलाडेहाइड से बनी थी, जो जहरीली थी। उनमें रहने वाले लोग निमोनिया, एक फुफ्फुसीय सूजन से मर गए। हां, वे संक्रमित नहीं हुए और किसी वायरस के कारण मर गए। फॉर्मलाडेहाइड नामक जहरीले रसायन से निर्दोष लोगों का नरसंहार किया गया था। नियोजित 1918 इन्फ्लूएंजा महामारी से पहले, दवा कंपनियां 1912 के आसपास से फॉर्मामिंट गोलियों का विज्ञापन कर रही थीं, उन्हें "गले के संक्रमण का इलाज करने वाली दवा" होने के लिए धोखा दे रही थीं।

b. 1918 में, परजीवी। जैसे केमिकल दवा कंपनियां, सरकारें, राजनेता आदि, जिन्होंने लोगों के रथ को चूसा और मीडिया और अखबारों के माध्यम से जनता के बीच नकली महामारी का भ्रम पैदा किया। हर फर्जी महामारी नाटक के दौरान एक ही धोखे की रणनीति लागू की जाती है। फॉर्मलाडेहाइड गोलियों में रसायन होता है जो 1918 के इन्फ्लूएंजा महामारी के दौरान गले में संक्रमण, निमोनिया और मृत्यु का कारण बनता है। लेकिन उन्होंने फॉर्मिमिंट टैबलेट का विज्ञापन किया, जो गले की समस्याओं के इलाज के रूप में फॉर्मेल्डिहाइड, एक विषाक्त रसायन का निर्माण करता था।

c. मैं वर्तमान लोगों से एक बात कहना चाहता हूं। मुख्यधारा का मीडिया आपको नियंत्रित कर रहा है। राजनेता अपने स्वयं के लाभ के लिए सार्वजनिक लोगों (आप) को विभाजित करने के लिए धर्म, नस्ल, रंग और भेदभाव का उपयोग करते हैं। आप मीडिया को जाने बिना ही उसके आदी हो जाते हैं। राजनेता, दवा कंपनियां और मीडिया आपके मित्र नहीं हैं। वे पूर्व नियोजित नकली महामारी बनाकर और टीकाकरण और इलाज के नाम पर विषाक्त इंजेक्शन लगाकर आपके रक्त को चूस रहे हैं।

d. आपको, आम जनता को समझने की जरूरत है। शिक्षा झूठी धारणा से अधिक महत्वपूर्ण है। केवल वास्तविक शिक्षा ही झूठी धारणा को समाप्त कर सकती है। आप अज्ञानता को छोड़ दें और प्रकाश को देखें, सच्चाई जो इस दस्तावेज़ में प्रस्तुत की गई है। इस दस्तावेज़ को साझा करें और मानव जाति और प्रकृति की रक्षा करें।

e. मैंने आपको समझने के लिए इस दस्तावेज़ में कई बार एक ही वाक्य या शब्दों का उपयोग किया होगा।

22. 1981 में, एचआईवी / एड्स पूर्व-नियोजित महामारी राजनेताओं, दवा कंपनियों और मीडिया जैसे समान विचारधारा वाले लोगों द्वारा बनाई गई थी। एचआईवी/एड्स से किसी

की मौत नहीं हुई। दुनिया भर में निर्दोष मनुष्यों को रासायनिक दवाओं के साथ मार दिया गया था। जी हां, 1981 के बाद वेलकम पीएलसी नाम की एक ब्रिटिश कंपनी ने एजेडटी दवा का उत्पादन किया। AZT नकली दवा है। उस एजेडटी दवा ने लोगों को मार डाला।

23. दवा कंपनियां अपने दवा उत्पादों को बेचने के लिए जो कुछ भी कहेंगी। वे मीडिया का इस्तेमाल कर के आपका ब्रेनवॉश करेंगे। आप बीमारी से ठीक नहीं होंगे। नए-नए रोग पैदा होंगे। बड़ी दवा कंपनियां, राजनेता, सरकारें और मुख्यधारा का मीडिया अपनी भलाई के लिए मानवता को नष्ट कर देगा। कृपया इसे सभी के साथ साझा करें। कृपया साझा करें और मानव जाति को बचाएं।

24. जिन लोगों ने इस महामारी को पैदा किया है, उन्होंने कई और महामारियां विकसित करने की योजना बनाई है। इस महामारी में निर्माता और सामूहिक हत्यारे इस नकली महामारी से मरने वाले इंसानों की मौत और टीकाकरण के बहाने लगाए गए जहरीले इंजेक्शन पर पर्दा डालने के लिए जनता को सेंसर कर रहे हैं।

25. कोरोना वैक्सीन में कौन-कौन सी जहरीली धातुएं मौजूद हैं? मैं नीचे भी इसका उल्लेख करता हूं। 2017 और 2019 के बीच भारी विषाक्त धातुओं, जैसे टाइटेनियम, कैडमियम, आदि के साथ निर्मित कोरोनावायरस सीओवीआईडी -19 इंजेक्शन (तथाकथित टीके) मनुष्यों के जीवन को मार सकते हैं और मनुष्यों के जीन को नष्ट कर सकते हैं और मस्तिष्क ट्यूमर का कारण बन सकते हैं, जिससे कोलाइडल विकार हो सकता है। और यह भारी, अत्यधिक विषाक्त धातुएं कैंसर, रक्त के थक्के, दिल के दौरे और मौतों का कारण बन रही हैं।

    a. लेकिन जिन लोगों ने महामारी का भ्रम पैदा किया, वे लगातार कई नकली महामारी, दंगे और युद्ध पैदा कर रहे हैं। वे सभी बड़े पैमाने पर दंगे पैदा करने के लिए धर्म का उपयोग कर रहे हैं ताकि आम जनता को उन्हें सोचने न देने से विचलित किया जा सके। इस पूर्व-नियोजित नकली महामारी को बनाने वाले राजनेता और अन्य लोग विभाजनकारी समूहों को बनाने और आम लोगों को आलोचनात्मक सोच से विचलित करने के लिए धर्म का उपयोग करके हर किसी को सोचने से रोकते हैं।

    b. वे लगातार निराधार और अप्राकृतिक अफवाहें फैलाते हैं कि कोरोनोवायरस महामारी सटीक है और यह पहली बार चीन में शुरू हुई थी। कोरोनावायरस कोविड-19 प्रकृति, विज्ञान और मानव जाति के खिलाफ सबसे बड़ा अपराध है।

    c. वे लोगों को तनाव और बिना सोचे-समझे स्थिति में रखने के लिए दुनिया भर में कई सुनियोजित दंगे और युद्ध पैदा कर रहे हैं और दुनिया भर में कई जगहों को अंजाम दे रहे हैं। लोगों को चिंतित और बिना सोचे-समझे रखने के लिए, वे दुनिया भर में कई योजनाबद्ध दंगों और युद्धों का निर्माण और संचालन कर रहे हैं।

26. वे (सरकारों, मीडिया और दवा कंपनियों द्वारा) नकली युद्ध और नकली जलवायु संकट पैदा कर रहे हैं ताकि उन मनुष्यों की मौतों को कवर किया जा सके जो इस फोनी महामारी में टीकाकरण के बहाने इंजेक्शन लगाए गए विषाक्त इंजेक्शन से मर जाते हैं। टीकाकरण की आड़ में इंजेक्ट किए गए कोविड-19 वैक्सीन से मरने वालों के दर्द और सच्चाई को ढंकने के लिए, निर्दयी इंसान आग दुर्घटनाएं, ट्रेन के पटरी से उतरने, सूडान युद्ध, यूक्रेन-रूस युद्ध और सक्रिय भूकंप पैदा करने के लिए पानी के नीचे (समुद्र) ड्रिलिंग कर रहे हैं। यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध भी एक नाटक है जो आम जनता को विचलित करता है।

27. राजनेताओं, मुख्यधारा के मीडिया और सरकारों का कहना है कि दवा कंपनियां जनता को यह सब नहीं बताएंगी क्योंकि उनका कारोबार चौपट हो जाएगा। वे जनता के लिए मौत का कारण बन रहे हैं और इसके माध्यम से खरबों कमा रहे हैं। ये अमानवीय दवा कंपनियां, मीडिया, राजनेता और सरकारें मानव जाति को नष्ट कर रही हैं।

28. अगर आप, आम जनता गूगल के सर्च इंजन के जरिए वैक्सीन से होने वाली मौत को सर्च करते हैं तो भी आपका सटीक जवाब वेबपेज पर नहीं दिखेगा। वजह यह है कि गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियां भी दवा कंपनियों की मदद कर रही हैं। यह कोरोना वायरस एक नाटक है, मानवता के खिलाफ साजिश है।

29. अफसोस की बात है कि निर्दोष नागरिक कोविड से नहीं मर रहे हैं क्योंकि इस विशाल प्राकृतिक पृथ्वी पर ऐसी कोई चीज नहीं फैल रही है। अमानवीय दवा कंपनियों, मीडिया, राजनेताओं और सरकारों द्वारा टीकाकरण के बहाने लगाए गए जहरीले इंजेक्शन से उनका नरसंहार किया जा रहा है।

30. पी.सी.आर. उपकरण इस नकली कोरोनावायरस कोविड-19 महामारी में उपयोग किया जाने वाला तथाकथित वायरस परीक्षण है। पी.सी.आर. परीक्षण उपकरण यह नहीं दिखाता है कि कौन सा संक्रमण या बीमारी हुई है। पी.सी.आर. परीक्षण उपकरण केवल जीन (डी.एन.ए.) को बढ़ाता है, संक्रमण का पता नहीं लगाता है। यह कोरोनावायरस उत्पत्ति एक नकली (फर्जी) प्रचार अभियान और दवा कंपनियों (एजेंडा) का एजेंडा है जिसने इस महामारी के भ्रम को आकार दिया है। पी.सी.आर. परीक्षण एक भ्रामक उपकरण है।

31. वे कोरोना वायरस संक्रमण का पता लगाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एंटीजन टूल होने का दावा करते हुए नकली डिवाइस बेचकर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी कर रहे हैं। वे एंटीजन टूल किट में कृत्रिम स्ट्रिप्स बनाते हैं ताकि उन्हें विश्वास हो सके कि संक्रमण है। एंटीजन किट में लिटमस पेपर होता है। एंटीजन उत्पाद तैयार करते समय इसकी योजना बनाई गई थी, और एंटीजन का परिणाम भी डिजाइन किया गया था। एंटीजन उपकरण एक भ्रामक उपकरण है।

32. इस पृथ्वी पर स्वाभाविक रूप से पैदा हुए सभी प्राणी किसी दिन मर जाएंगे, और मेरे सहित मनुष्यों के रूप में पैदा हुए लोगों को छोड़ना या मरना होगा। वे सभी जो जन्म से मनुष्य हैं, एक दिन मरने वाले हैं। लेकिन इस महामारी के निर्माता सुनियोजित हैं और निर्दोष लोगों, बच्चों को जहरीली दवा (टीके) दे रहे हैं, जो बच्चे कोई पाप नहीं जानते हैं, जिससे दर्दनाक मौत हो रही है। टीकाकरण के नाम पर लाखों मौतें हुई हैं।

33. जिन लोगों ने इन महामारियों और युद्धों को पैदा किया है, वे सभी अपनी मौत का नाटक करेंगे और मानवता के खिलाफ किए गए अपराधों से बच जाएंगे। लेकिन दुख की बात है कि यह सच्चाई और मानव जाति को देखने का समय है। सत्य की खोज करें।

34. लेकिन यहाँ कुछ अमीर अमानवीय लोग हैं जो खुद को सोचते हैं कि वे भगवान हैं; यदि आपके पास दसियों हजार करोड़ रुपये हैं, तो आप जो चाहें कर सकते हैं, और आप जो चाहें कर सकते हैं; वे अहंकारी रूप से घूम रहे हैं, नकली महामारी और जहरीले इंजेक्शन बनाकर दुनिया भर में निर्दोष लोगों की सामूहिक हत्या कर रहे हैं और जेफरी एपस्टीन जैसे लोगों को पैदा कर रहे हैं जो बच्चों और महिलाओं का अपहरण, बलात्कार, अत्याचार करते हैं। अमानवीय विचारों ने उनकी आँखों को धुंधला कर दिया।

35. जेफरी एपस्टीन इस कोरोनावायरस महामारी में पहला कदम है। क्योंकि जेफरी एपस्टीन और जॉन मैकफी की जेल में एक ही आयाम में रहस्यमय तरीके से हत्या कर दी जाती है। वे कहते हैं कि जेफरी एपस्टीन ने जेल में खुद को मार डाला। लेकिन यह पता चला है कि यह सब सिर्फ एक मनगढ़ंत घटना है।

36. जेफरी एपस्टीन की फ्लाइट लॉग जानकारी 2015 में जारी की गई थी जब बिल गेट्स ने मार्च 2015 में TEDx में अपनी महामारी की साजिश के बारे में बताया था। फिर, 2017 और 2019 के बीच, अमेरिकी सेना। डीएआरपीए ने कई दवा कंपनियों को 2019 महामारी के लिए एक जहरीले टीके का उत्पादन करने के लिए आमंत्रित किया, जिसे "कोरोनावायरस सीओवीआईडी -19" के रूप में जाना जाता है। इस नकली कोरोनावायरस महामारी में इजरायल सरकार, राजनेता, राजनीतिक दल, दुनिया भर की सभी सरकारें, दवा कंपनियां, संयुक्त राष्ट्र, विश्व आर्थिक मंच और कई गैर-सरकारी संगठन इसके पीछे हैं। ये अमानवीय लोग मिलीभगत कर रहे हैं और निर्दोष लोगों को बेरहमी से मार रहे हैं।

37. डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि उन्होंने कोविड-19 टीकों से लाखों लोगों को बचाया है। वह सोचता है कि वह कोरोना वायरस कोविड-19 टीकों का जनक है। सच्चाई यह है कि डोनाल्ड ट्रम्प या किसी को भी पता था कि इस पूर्व-नियोजित महामारी में धकेले गए कोरोनावायरस सीओवीआईडी -19 टीके मार देंगे, और यह एक जैव रासायनिक हथियार है। आदरणीय डोनाल्ड ट्रम्प, जिन छोटे बच्चों ने कोई पाप नहीं किया, वे कोविड-19 इंजेक्शन के कारण अवांछित रूप से मर रहे हैं। कृपया बेरहम झूठ मत बोलो। कृपया झूठ बोलना बंद करें। पूर्व नियोजित नकली महामारी और युद्ध पैदा करना बंद करें।

मनुष्य अब नियंत्रण से बाहर हैं। वे दुनिया भर में मनुष्यों को नष्ट करने के लिए एक बड़ा विश्व युद्ध करने की योजना बना रहे हैं, ताकि उन्हें भटकाया जा सके और खरबों मुनाफे के लिए। इज़राइल इस पूर्व-नियोजित महामारी में शामिल अधिकांश दवा कंपनियों के सी.ई.ओ. को नियंत्रित करता है।

धारा 3: जन्म और मृत्यु: जैविक जीवन: मानव जीवन: नकली कोरोनावायरस महामारी और नकली युद्ध और मानवता के खिलाफ साजिश और अक्षम्य पाप: नकली महामारी और नकली युद्ध बनाना बंद करो

वे अमानवीय पुरुषों द्वारा पूर्व नियोजित युद्ध और पूर्व नियोजित महामारियां पैदा करके निर्दोष लोगों का सामूहिक नरसंहार कर रहे हैं।

जन्म और मृत्यु प्रकृति का हिस्सा हैं। लेकिन अमानवीय मनुष्य पूर्व-नियोजित युद्ध और पूर्व-नियोजित महामारियां पैदा करते हैं और कृत्रिम रूप से निर्दोष लोगों की मौत का कारण बनते हैं।

वे प्रकृति और मानवता की शांति को भंग करते रहे हैं। वे पूर्व-नियोजित युद्धों और महामारियों को लाने, मानवता को तबाह करने और फिर शेष निर्दोष लोगों को नियंत्रित करने और गुलाम बनाने की योजना बनाते हैं।

कोरोनावायरस महामारी जैसी कोई चीज नहीं है, और कोरोनोवायरस महामारी एक नाटक है। लेकिन अमानवीय इंसान फर्जी महामारी की छवि बना रहे हैं, निर्दोष नागरिकों (इंसानों) को धोखा दे रहे हैं, और टीकाकरण के नाम पर 2017 से 2019 के बीच बनी जहरीली धातुओं और रसायनों से बने जानलेवा कोविड-19 इंजेक्शन लगा रहे हैं और सामूहिक नरसंहार कर रहे हैं। इसके लिए सभी तथ्य, सबूत और सबूत स्पष्ट हैं।

दवा कंपनियों, अमीर अभिजात वर्ग और राजनेताओं द्वारा नियंत्रित मीडिया, अंतहीन झूठ फैला रहा है, निर्दोष लोगों के बीच मनोवैज्ञानिक युद्ध छेड़ रहा है और नरसंहार कर रहा है।

वे दूसरों के लिए मृत्यु का निर्माण कर रहे हैं और इस प्रकार सुख प्राप्त कर रहे हैं। वे महामारी बना रहे हैं, टीकाकरण के नाम पर जहरीले धातु रासायनिक इंजेक्शन इंजेक्ट कर रहे हैं, और दुनिया भर में निर्दोष लोगों और बच्चों का वध कर रहे हैं। वे मानव जीवन को मार रहे हैं और इससे लाभान्वित हो रहे हैं। कृपया दूसरों को मौत का कारण बनने वाले कोरोनावायरस कोविड-19 इंजेक्शन न दें।

कृपया कोविड-19 के जहरीले इंजेक्शन न लगवाएं। यदि आप इस चेतावनी के बावजूद अपने शरीर में कोविड-19 इंजेक्शन इंजेक्ट करते हैं, तो आप मर जाएंगे और गंभीर दुष्प्रभाव, ट्यूमर, हृदय रोग और मृत्यु का सामना करेंगे।

कृपया इस सच्चाई को निर्दोष जनता के साथ साझा करें। प्रकृति की मानवता को बचाओ। सच बोलो और मानवता फैलाओ। जब हम सच बोलेंगे, तो वे सेंसरशिप करेंगे; इससे डरो मत। आइए मानव जाति को बचाएं।

मानव जाति को बचाओ | मानवता को बचाओ | एक इंसान बनो

नीचे पढ़ें | कमजोर दिल वाले व्यक्ति, कृपया इस सच्चाई को गहन विश्लेषण में पढ़ने से पहले खुद को पत्थर में बना लें

अभिस्वीकृति: यह दस्तावेज़ केवल मानव जाति की भलाई के लिए जारी या प्रकाशित किया जा रहा है - हितों का कोई टकराव नहीं। मैं मानवता से प्यार करता हूँ। मनुष्य या जीवित प्राणियों का जीवन बहुत छोटा है। आइए एक ईमानदार समाज का निर्माण करें। एक इंसान बनो। अमानवीय मत बनो। मनुष्यों को अन्य मनुष्यों को चोट पहुंचाने, यातना देने, गाली देने और हत्या करने के अलावा सभी स्वतंत्रता है। एक व्यक्ति को सामूहिक हत्या करने या पूरी मानव जाति और समाज के जीन (डीएन) को नष्ट करने का कोई अधिकार नहीं है। लेकिन, वे बिना किसी मानवता के मानवता के खिलाफ कई प्रलय करते रहे हैं। मैं कल मर सकता हूँ, लेकिन मानवजाति इस पृथ्वी से तब तक नष्ट नहीं होगी जब तक मानवता और मानवता मौजूद नहीं है। आइए हम अपने समाज की रक्षा करें। हमारी मानवता के लिए कुछ छोड़ दो। राजनेताओं से लेकर सरकारों, बड़ी दवा कंपनियों से लेकर अस्पतालों, डॉक्टरों से लेकर नर्सों, अदालतों से लेकर जजों तक, सेना से लेकर पुलिस तक। हॉलीवुड से लेकर मशहूर हस्तियां, समाचार मीडिया से लेकर बड़े टेक मीडिया, तथाकथित वायरोलॉजी वैज्ञानिकों से लेकर महामारी विशेषज्ञों तक, जो अंतहीन झूठ फैलाते हैं, और अमीर अभिजात वर्ग से लेकर उनके कॉर्पोरेट्स, सभी मानवता के खिलाफ अपराध कर रहे हैं और कोविड-19 के नाम पर जैव-रासायनिक युद्ध छेड़कर मानव जाति को नष्ट कर रहे हैं और निर्दोष बच्चों, महिलाओं और पुरुषों की सामूहिक हत्या कर रहे हैं। दुनिया भर में, और मानव जाति को गुलाम बनाने के लिए स्वाभाविक रूप से पैदा हुए मनुष्यों से स्वतंत्र को नष्ट करने के लिए नकली जलवायु परिवर्तन संकट पैदा करना। इस दस्तावेज़ के सभी कथन तथ्य हैं।

घोषणा: सच बोलने के लिए, आप मुझे यातना दे सकते हैं, मनोवैज्ञानिक या शारीरिक रूप से मेरा शोषण कर सकते हैं, मुझे सामूहिक रूप से मारने के लिए मेरा पीछा कर सकते हैं। आप अप्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से मुझे नुकसान पहुंचा सकते हैं। अगर मैं मर गया, तो कुछ भी नहीं होने वाला है। मेरे लिए अंधेरा हो जाएगा। लेकिन सत्य हमेशा सत्य होता है। यहां तक कि कई लोग झूठ पर विश्वास कर सकते हैं। मैं हमेशा सच बोलूंगा। मैं मरने की हिम्मत करता हूं। लेकिन अमानवीय व्यक्ति या समूह जो व्यक्तिगत लाभ के लिए मौतों का कारण बनते हैं, उनमें कोई साहस, दया या करुणा नहीं होती है। तुम सब अपने कर्मों से समस्त मानवजाति के विरुद्ध पाप कर रहे हो। मुझे लगता है कि मुझे कई मौत की धमकियों का सामना करना पड़ता है। कुछ भी स्थायी नहीं है; प्रकृति से प्यार करो, प्रकृति को बचाओ और प्रकाश फैलाओ। हमारी मानव जाति की रक्षा करें। मानवता और जीवित प्राणी कृत्रिम धर्मों, एजेंडा और साजिशों से परे हैं।

समय: यह मानव जाति की रक्षा के लिए विरोध करने का समय है। अच्छे मनुष्यों को एक वास्तविक स्वतंत्र क्रांति करने की आवश्यकता है। बहादुर बनो। मानव जाति के लिए विरोध। बुराइयों के खिलाफ मानव जाति के लिए लड़ो। यहां मैं किसी को विरोध करने के लिए उकसा नहीं रहा हूं। मैं सिर्फ इतना कह रहा हूं कि सच्चाई फैलाना एक वास्तविक शांतिपूर्ण क्रांति है।

अनुरोध: सत्य साझा करें; इस दस्तावेज़ को सभी के साथ साझा करें। कृपया इस सच्चाई को साझा करने के बारे में मत सोचो। अन्यथा, यह कृत्य प्रकृति और मानव जाति के विरुद्ध होगा। अपने बच्चों को सच सिखाएं, और कृपया झूठ न सिखाएं। वे सभी मानव जाति का भविष्य हैं।

अद्यतन: यह दस्तावेज़ खुला स्रोत है, किसी भी व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए नहीं, और आने वाले महीनों में अपडेट हो सकता है। यह दस्तावेज़ अद्यतन किया जाएगा. मैंने कोविड ड्रामा से संबंधित हजारों से अधिक का विश्लेषण किया।

धारा 4: धार्मिक मान्यताओं और कोरोनावायरस मान्यताओं के बीच अंतर

धर्म एक निश्चित पुरुष-निर्मित निर्मित प्रणाली है जो अंधविश्वासी पंथ नियमों से भरी हुई है, जो तत्कालीन व्यक्तियों और राजाओं के समूह द्वारा लोगों के जनसमूह को नियंत्रित करने और गुलाम बनाने के लिए बनाई गई थी।

अस्वीकरण: सामान्य ज्ञान और ज्ञान वाले एक इंसान के रूप में, मैं घोषणा करता हूं कि मैं इस दस्तावेज़ में किसी भी धर्म को नीचा नहीं दिखा रहा हूं या लक्षित नहीं कर रहा हूं। यह दस्तावेज प्राकृतिक विज्ञान और प्रकृति की सच्चाई का अध्ययन है। इस दस्तावेज़ में मैंने जो शब्द या वाक्य लिखे हैं, वे सभी प्रकृति की वास्तविकता से संबंधित हैं। प्रकृति हमेशा मानव-पागल पंथ प्रणाली से परे है, जैसे धर्म, योग, आदि; मानवता एकमात्र उपकरण है जो मनुष्यों को एकजुट करता है। मैं एक सामान्य सर्वनाम के रूप में "धर्म" शब्द का उपयोग कर रहा हूं। इस दस्तावेज़ को पढ़ने से पहले, जांचें कि क्या आप एक प्राकृतिक इंसान हैं या एक धार्मिक पंथ हैं; इस दस्तावेज का उद्देश्य किसी भी इंसान को चोट पहुंचाना नहीं है। यह दस्तावेज किसी की झूठी मान्यताओं और अंधविश्वासों को चोट पहुंचाने का इरादा नहीं रखता है। सच्चाई, प्रकृति, वास्तविकता, तथ्यों और विज्ञान को साझा करें। यदि आप इस दस्तावेज़ को पढ़ने के बाद क्रोधित हो गए, तो मैं जिम्मेदार नहीं हूं क्योंकि मैं एक प्राकृतिक इंसान हूं और मुझे इस धरती पर सत्य, तथ्य और वास्तविकता बोलने का अधिकार है।

कोरोनावायरस कोविड-19 एक धर्म की तरह है जिसे मानव जाति को नियंत्रित करने और गुलाम बनाने के लिए अमानवीय द्वारा बनाया गया है। क्योंकि धर्म और कोरोनावायरस कोविड-19 पूर्व नियोजित महामारी दोनों में, अमानवीय ने कई झूठी मान्यताओं या अंधविश्वासों को पैदा किया।

मनुष्य को पहले तथ्य बनाम परिकल्पना बनाम झूठे दावे बनाम अंधविश्वास को समझना चाहिए। हमें विज्ञान की तुलना धर्म से नहीं करनी चाहिए क्योंकि यह विज्ञान की वास्तविकता और स्वाभाविकता को नष्ट कर देगा। लेकिन यहां, अधिकांश राजनेता धर्म, नस्ल, रंग आदि का उपयोग करके विभाजनकारी राजनीति कर रहे हैं।

वैक्सीन के नाम पर वे व्यक्तिगत लालच के लिए निर्दोष मनुष्यों की सामूहिक हत्या करते रहे हैं। कभी-कभी सच बोलने से झूठ फैलाने वाले इनह्यूमन ्स को चोट पहुंच सकती है।

1. तथ्य क्या है?

   तथ्य का मतलब है कि साबित मायने रखता है। कोई बात जिसकी पुष्टि की गई हो और जिसे सत्य माना गया हो। एक तथ्य कुछ ऐसा है जो सबूत या सबूत के आधार पर सटीक साबित हुआ है।

2. परिकल्पना क्या है?

   परिकल्पना एक प्रस्ताव, केवल धारणा या अनुमान है। एक परिकल्पना तब तक एक परिकल्पना बनी रहेगी जब तक कि यह साबित नहीं हो जाता।

3. झूठे दावों का क्या मतलब है?

   झूठे दावे उन बयानों या दावों को संदर्भित करते हैं जो साक्ष्य द्वारा समर्थित नहीं हैं या जानबूझकर भ्रामक हैं।

4. अंधविश्वास या झूठी धारणा क्या है?

   अंधविश्वास सबूत या कारण के आधार पर विश्वास या प्रथाएं नहीं हैं, बल्कि सांस्कृतिक परंपराओं, जादुई सोच या तर्कहीन भय पर आधारित हैं। अंधविश्वास झूठी धारणा है जो धर्म का मूल है।

5. भगवान को किसने बनाया?

   इसका एक ही जवाब है। मनुष्य ने देवता और धार्मिक नियमों का निर्माण किया। भगवान सटीक नहीं है। सच तो यह है कि यह सब अंधविश्वास है। मैं ईश्वर में दूसरे के विश्वास ों को नीचा नहीं दिखा रहा हूं। लेकिन मैं इस तथ्य को बोलता हूं कि मनुष्यों को भगवान और धर्म बनाया गया है। यदि लोग अंधविश्वास से उभरते हैं, तो वे केवल आलोचनात्मक विचारक होंगे और मूर्ख नहीं होंगे।

6. राजनेता सार्वजनिक लोगों को नियंत्रित करने और विचलित करने के लिए धर्म का उपयोग कैसे कर रहे हैं?

   राजनेता इंसानों को बांटने के लिए धर्म का इस्तेमाल दंगे कराने के लिए कर रहे हैं और राजनेता फर्जी महामारी पैदा कर दुनियाभर में जनता को बेवकूफ बना रहे हैं और टीकाकरण के नाम पर जहरीले इंजेक्शन लगाकर निर्दोष इंसानों की सामूहिक हत्या कर रहे हैं। धर्म हमेशा लोगों को एक कटोरे में रखता है। यह वास्तविकता के बारे में सोचने नहीं देगा।

मान लीजिए कि आप भारत में अधिकांश चुनावों को देखते हैं, जैसे कि देश। राजनेता चुनाव जीतने के लिए धर्म का इस्तेमाल करते हैं और धार्मिक दंगे कराते हैं। उन्हें मानवता या मानवता की परवाह नहीं है। उन्हें केवल भ्रष्टाचार की परवाह है।

राजनेता जनता को विभाजित करने के लिए नस्ल, धर्म, रंग और अन्य भेदभावपूर्ण तरीकों का उपयोग करते हैं। 1900 के दशक से, वे पूर्व-नियोजित महामारी, युद्ध, संकट और दंगे पैदा करके मानव जाति के खिलाफ पाप कर रहे हैं। वे नकली महामारी बनाकर और वैक्सीन के नाम पर जहरीले इंजेक्शन लगाकर नरसंहार कर रहे हैं।

धारा 5: इस पूर्व नियोजित कोरोनावायरस महामारी की समय-सीमा और विषाक्त धातुओं से बने जहरीले इंजेक्शन

जेफरी एपस्टीन की मृत्यु और कोरोनोवायरस पूर्व नियोजित महामारी का शुभारंभ:

जेफरी एपस्टीन, एक अमेरिकी और यहूदी, 20 जनवरी, 1953 को पैदा हुआ था, और 10 अगस्त, 2019 को जेल में रहस्यमय तरीके से मर गया (हत्या)। वह इस पूर्व नियोजित कोरोनावायरस, महामारी और साजिशों का एक कारण है।

1. **अमेरिका को इजरायल, वैश्ववादियों द्वारा अपहरण कर लिया गया है, जो नकली महामारी पैदा करके मानव जाति की सामूहिक हत्या कर रहे हैं:**

अमानवों का रहस्य: नकली युद्ध और महामारी और बाल यौन तस्करी, मानव और अंग तस्करी

जेफरी एपस्टीन का इजरायल के साथ एक प्रमुख संबंध था। सच्चाई सिर्फ यह दिखा रही है कि जेफरी एपस्टीन न केवल एक जासूस था और बाल यौन तस्करी के एजेंटों

में से एक था, निर्दोष बच्चों की आपूर्ति करता था और निर्दोष बच्चों को राजनेताओं, अभिजात वर्ग और व्यापारिक लोगों के साथ यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर करता था। कई जेफरी एपस्टीन अभी भी वहां हैं और स्वतंत्र रूप से घूम रहे हैं और बच्चों को गाली दे रहे हैं, यातना दे रहे हैं, और बड़े पैमाने पर हत्या कर रहे हैं और निर्दोष बच्चों की बलि दे रहे हैं।

यूक्रेन अगला इज़राइल होगा क्योंकि वे विवेक के बिना मानव जाति की सामूहिक हत्या करने के लिए एक बड़े विश्व युद्ध की योजना बना रहे हैं। वे महामारी के नाम पर नकली महामारी बनाकर और जहरीले इंजेक्शन लगाकर दुनिया भर में जनता की सामूहिक हत्या कर रहे हैं।

अमेरिकी राजनेता ज़ेलेंस्की को सैकड़ों अरब भेज रहे हैं, जो विश्व आर्थिक मंच के सदस्यों और भागीदारों के लिए काम करता है।

यह कोरोनावायरस महामारी मुख्य रूप से अमेरिका, भारत, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों के नागरिकों की सामूहिक हत्या करने के लिए बनाई गई है। अगर हम आंकड़ों को देखें, तो इजरायल में कोरोनोवायरस जहरीले टीकों के कारण सबसे कम मृत्यु दर है। लेकिन अमेरिका जैसे दूसरे देशों में लोग हार्ट अटैक और वैक्सीन से होने वाली अन्य लाइलाज बीमारियों से ज्यादा मर रहे हैं। उन सभी ने कोविड-19 टीकों के कारण होने वाली मौतों को "अचानक मौत" के रूप में कवर किया। मौतों पर पर्दा डालकर वे जो सबसे बड़ा पाप कर रहे हैं, वह उनके और उनके विषाक्त कोविड-19 इंजेक्शन के कारण हुआ है।

2. जेफरी एपस्टीन और समयरेखा

   a. जेफरी एपस्टीन का इजरायल के पूर्व प्रधानमंत्री से संबंध था। जेफरी एपस्टीन कई राजनेताओं, अभिजात वर्ग और व्यवसाय में लोगों के साथ भी जुड़ा हुआ था। जेफरी एपस्टीन उन कई व्यक्तियों से भी जुड़े हैं, जिन्होंने 2017 और 2019 के बीच जहरीली धातुओं के साथ निर्मित कोविड-19 इंजेक्शन लगाकर दुनिया भर में निर्दोष लोगों की सामूहिक हत्या करने के लिए इस पूर्व-नियोजित महामारी को लॉन्च किया।

   b. जेफरी एपस्टीन के साथ संबंध रखने वाले और जेफरी एपस्टीन के 'लोलिता एक्सप्रेस' विमान पर उड़ान भरने वाले व्यक्ति हैं:

      i. डोनाल्ड जे ट्रम्प, बिल क्लिंटन, केविन स्पेसी, क्रिस टकर, बिल गेट्स, प्रिंस एंड्रयू, रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर, वायलिन वादक इत्जाक पर्लमैन, अमेरिकी सेन जॉन ग्लेन, पूर्व सीनेट बहुमत नेता जॉर्ज मिशेल और अधिक लोगों ने जेफरी एपस्टीन के लोलिता एक्सप्रेस विमान पर उड़ान भरी।

ii. 22 जनवरी, 2015: गावकर द्वारा प्राप्त जेफरी एपस्टीन के फ्लाइट लॉग को पहली बार 22 जनवरी, 2015 को जारी किया गया था। यहीं से उन्होंने टीकाकरण के नाम पर महामारी और नरसंहार की साजिश शुरू की; क्योंकि जेफरी एपस्टीन से जुड़े लोग प्रमुख अमीर व्यापारी, राजनेता, मशहूर हस्तियां और उच्च प्रोफ़ाइल हैं।

iii. एपस्टीन को 2008 में फ्लोरिडा में कम उम्र की लड़कियों को सेक्स (और कई वयस्क मांगों) के लिए मजबूर करने के लिए दोषी ठहराया गया था, जिसके लिए उन्होंने काउंटी जेल में एक साल से अधिक समय बिताया। एपस्टीन ने 2008 में इजरायल का दौरा किया था।

iv. 18 मार्च, 2015: 18 मार्च, 2015 को, बिल गेट्स ने अपनी वेबसाइट "www.gatesnotes.com" पर TEDx 2015 के लिए छह पुस्तकों की सिफारिश की; पुस्तकों के नामों में से एक "डेरेल हफ द्वारा सांख्यिकी के साथ झूठ कैसे बोलें" है।

v. 19 मार्च, 2015: 19 मार्च, 2015 को, बिल गेट्स ने पहली बार TEDx सम्मेलन में भविष्य की महामारी के बारे में अपना इरादा साझा किया।

vi. 26 अप्रैल, 2016: डोनाल्ड ट्रंप और जेफरी एपस्टीन के खिलाफ एक महिला ने याचिका दायर की।

vii. 9 नवंबर, 2016: बिल गेट्स ने डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की।

viii. 20 जनवरी, 2017 - 20 जनवरी, 2021: डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति थे। उन्होंने इस पूर्व नियोजित नकली महामारी में ऑपरेशन वार्प स्पीड पर हस्ताक्षर किए। लेकिन अब दुनिया भर में मासूम बच्चे जहरीले कोरोना वायरस कोविड-19 इंजेक्शन के कारण मर रहे हैं।

ix. 10 जनवरी, 2017: रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर 10 जनवरी, 2017 को न्यूयॉर्क में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ बैठक के लिए ट्रम्प टॉवर की लॉबी में पहुंचे।

x. 10 जनवरी, 2017: नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एंड इन्फेक्शियस डिजीज के निदेशक एंथनी एस फाउची ने कहा कि "इसमें कोई संदेह नहीं है" डोनाल्ड जे ट्रम्प को अपने राष्ट्रपति पद के दौरान एक आश्चर्यजनक संक्रामक रोग के प्रकोप का सामना करना पड़ेगा।

xi. 6 फरवरी, 2017: डिफेंस एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट्स एजेंसी (डीएआरपीए), यूनाइटेड स्टेट्स डिफेंस एजेंसी और प्रोजेक्ट पी 3: यह परियोजना नकली महामारी बनाकर और टीकाकरण के नाम पर हानिकारक इंजेक्शन लगाकर दुनिया भर में निर्दोष सार्वजनिक लोगों की सामूहिक हत्या करने के लिए विषाक्त इंजेक्शन बनाने के बारे में है।

xii. 20 मार्च, 2017: बिल गेट्स ने डोनाल्ड ट्रंप से दूसरी बार मुलाकात की।

xiii. 16 जनवरी, 2019: बिल गेट्स ने 16 जनवरी, 2019 को "बिल गेट्स: द बेस्ट इन्वेस्टमेंट आई एवर मेड" शीर्षक से लेख लिखा और प्रकाशित किया। उस लेख में, उन्होंने कहा, "पिछले दशकों में, मेरी पत्नी मेलिंडा और मैंने संगठनों में कुल $ 10 बिलियन लगाए हैं, जिनमें तीन समूह शामिल हैं: गावी, वैक्सीन एलायंस; ग्लोबल फंड; और वैश्विक पोलियो उन्मूलन पहल। उनमें से प्रत्येक बेहद सफल रहा। विकासशील देशों में टीके, दवाएं, मच्छरदानी और अन्य आपूर्ति प्रदान करने में मदद करने के लिए हमने जो 10 बिलियन डॉलर दिए, उससे सामाजिक और आर्थिक लाभ में अनुमानित $ 200 बिलियन का निर्माण हुआ।

xiv. 23 जनवरी, 2019: बिल गेट्स ने बुधवार, 23 जनवरी, 2019 को स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच से स्कैक बॉक्स शो में सीएनबीसी समाचार मीडिया की एक एंकर रेबेका बेकी क्विक से कहा, "मेरा सबसे अच्छा निवेश $ 10 बिलियन को 200 बिलियन में बदल गया।

xv. 22 जुलाई, 2019: दोषी पीडोफाइल जेफरी एपस्टीन अपने सेल में पाया गया, उसकी गर्दन पर चोटों के साथ लगभग बेहोशी की हालत में था। इससे संदेह पैदा होता है कि क्या इस दिन रहस्यमय तरीके से उनकी हत्या कर दी गई थी।

xvi. 10 अगस्त, 2019: उन्होंने जेफरी एपस्टीन की फांसी लगाकर आत्महत्या करने की घोषणा की। लेकिन सही है, उस समय, सीसीटीवी ने काम नहीं किया। क्योंकि जब भी जेल में कोई रहस्यमय मौत होती है, तो वे सीसीटीवी कैमरा बंद कर देंगे। इसलिए हत्या पर पर्दा डालना आसान होगा।

xvii. 22 अगस्त, 2019: जॉन हॉपकिंस सेंटर फॉर हेल्थ सिक्योरिटी ने इवेंट 201 पूर्व-नियोजित महामारी रिहर्सल के बारे में ट्वीट शुरू किए।

xviii. 4 सितंबर, 2019: अज्ञात लोगों द्वारा आयोजित कोरोनावायरस कोविड-19 महामारी की बातचीत के बारे में डेटा। (अकाट्य प्रमाण है कि कोरोनावायरस मानवता के खिलाफ सबसे बड़ा घोटाला और अपराध है)

xix. 18 अक्टूबर, 2019: उन्होंने कोरोनावायरस कोविड-19 महामारी की साजिश रची और निर्दोष लोगों की सामूहिक हत्या करने के लिए इवेंट 201 महामारी का पूर्वाभ्यास किया।

xx. 12 दिसंबर, 2019: उन्होंने मीडिया के माध्यम से महामारी का भ्रम पैदा करने के लिए पूर्व नियोजित कोरोनावायरस कोविड-19 शुरू किया।

xxi. 4 दिसंबर, 2020: उन्होंने महामारी के नाम पर जहरीले इंजेक्शन लगाने शुरू कर दिए, लेकिन सच्चाई यह है कि कोविड-19 इंजेक्शन जहरीली धातुओं और जैव-रासायनिक हथियारों से बने होते हैं.

xxii. दिसंबर 2020: जहरीले इंजेक्शन की वजह से दुनियाभर में कई निर्दोष लोगों की मौत होने लगी. कोविड-19 के जहरीले इंजेक्शन के कारण दुनिया भर में आम लोगों की मौत हो रही है।

xxiii. 24 फरवरी, 2022: उन्होंने दुनिया भर में जनता को विचलित करने के लिए यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध शुरू किया। सबसे पहले, उन्होंने युद्ध बनाया, और उसके बाद, उन्होंने इसे सही ठहराने के कारण बनाए। इसका मुख्य कारण यह है कि दुनिया भर में मनुष्यों ने पूर्व-नियोजित महामारी और कोरोनावायरस सीओवीआईडी -19 इंजेक्शन के खिलाफ बोलना शुरू कर दिया है जो दुनिया भर में लाखों लोगों की मौत का कारण बन रहा है।

xxiv. फिर भी, वे एक विश्व युद्ध पैदा करने की योजना बना रहे हैं। वे लगातार मानव जाति के खिलाफ कानून बनाते हैं।

सच्चाई: जेफरी एपस्टीन की मौत अप्राकृतिक है, और महामारी निर्माताओं ने उनकी हत्या कर दी।

धारा छह "6" को हटा दिया गया था।

धारा 7: रैंड पॉल और एंथनी फाउची और पूर्व नियोजित कोरोनावायरस कोविड -19 महामारी और तथ्य

सेन रैंड पॉल, प्रतिनिधि ब्रैड वेनस्ट्रप और अधिकांश प्रतिनिधियों ने भारी जहरीले रसायनों के कोविड-19 टीकों और दिसंबर 2019 से पहले की पूर्व नियोजित कोरोनावायरस कोविड-19 महामारी का समर्थन किया है।

फाइजर फार्मास्युटिकल कंपनी ने 2017 और 2018 की राजनीतिक कार्रवाई समिति के दौरान प्रतिनिधि ब्रैड वेनस्ट्रप को भी वित्त पोषित किया- दवा कंपनियां अधिकांश राजनेताओं का निवेश करती हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि प्रतिनिधि ब्रैड वेनस्ट्रप कोरोनोवायरस महामारी पर एक चयन उपसमिति है। यह उपसमिति कोरोना वायरस के उन टीकों पर पर्दा डालने का काम है, जिनकी वजह से मौतें हुईं.

सेन रैंड पॉल, प्रतिनिधि ब्रैड वेनस्ट्रप और अधिकांश प्रतिनिधि लगातार एंथनी स्टीफन फाउची को कोरोनावायरस सीओवीआईडी -19 के एकमात्र कारण के रूप में निशाना बना रहे हैं और दोषी ठहरा रहे हैं। वे लगातार आरोप लगाते हैं कि एंथनी स्टीफन फाउची ने वुहान प्रयोगशाला, चीन को वित्त पोषित किया और वह केवल सीओवीआईडी -19 के प्रसार के लिए जिम्मेदार है।

तथ्य 7.1: कोविड-19 एक वास्तविक वायरस नहीं है; यह मीडिया के माध्यम से दुनिया भर में जनता के बीच महामारी का भ्रम पैदा करने के लिए सिर्फ एक शब्द है। कोविड-19 कोई घोटाला, धोखा और मानवता के खिलाफ अपराध नहीं है। कोविड-19 का एकमात्र टीका जानबूझकर, जानबूझकर, जानबूझकर और जानबूझकर 2017 और 2019 के बीच भारी जहरीली धातुओं और रसायनों से बना है। और कोविड-19 विषाक्त इंजेक्शन के बैचों का एक और सेट जो 2019 के बाद उत्पादित किया गया था।

तथ्य 7.2: कोविड-19 महामारी एक जानबूझकर, पूर्व नियोजित महामारी और धोखा है।

तथ्य 7.3: टीकाकरण के नाम पर धकेले गए कोविड-19 इंजेक्शन जैव-रासायनिक हथियार हैं जो मानव जाति के लिए अत्यधिक खतरनाक हैं। फिर भी, वे इस पूर्व नियोजित महामारी में टीकाकरण के नाम पर दुनिया भर में निर्दोष मनुष्यों में जहरीले इंजेक्शन इंजेक्ट कर रहे हैं।

तथ्य 7.6: कोविड-19 मनुष्यों द्वारा एक पूर्व-नियोजित महामारी है जो केवल मानव जाति को लक्षित करती है।

तथ्य 7.7: अधिकांश राजनेताओं के पास दवा कंपनियों में स्टॉक है जो निर्दोष लोगों, इस धरती से मनुष्यों को मारते हैं।

तथ्य 7.8: क्या वे अपनी गलतियों को स्वीकार करते हैं? क्षमा करें, उनके कार्य गलतियाँ नहीं हैं। उन्होंने जानबूझकर, और जानबूझकर दुनिया भर में निर्दोष मनुष्यों की सामूहिक हत्या की है और मानवता, प्रकृति, विज्ञान और मानव जाति के खिलाफ पाप और अपराध किए हैं। वे जानबूझकर मानव जाति को धोखा देते हैं।

ऊपर, मैंने इस पूर्व-नियोजित महामारी की प्रकृति और कोविड-19 विषाक्त इंजेक्शन के बारे में कुछ तथ्यों को शामिल किया है जो महामारी के नाम पर निर्दोष लोगों में इंजेक्ट किए जा रहे हैं। कृपया मानव जाति के खिलाफ पाप बंद करें।

अमेरिकी लोगों के लिए असली खतरा यह है कि वे लगातार भरोसा करते हैं और बिना सोचे-समझे विश्वास करते हैं, जैसे कि उन राजनेताओं पर कटौती करना जिन्होंने कोविड-19 इंजेक्शन के कारण निर्दोष बच्चों, महिलाओं और पुरुषों की मौतों को पैदा किया और इसके लिए जिम्मेदार हैं।

यदि आप डोनाल्ड ट्रम्प को लेते हैं, तो वह ऑपरेशन वार्प स्पीड और कोरोनावायरस सीओवीआईडी -19 टीकों के लिए जिम्मेदार हैं, जो दुनिया भर में लाखों लोगों को रक्त के थक्कों, दिल के दौरे और मौतों का कारण बन रहे हैं। लेकिन मुख्यधारा के समाचार मीडिया और बड़े टेक मीडिया उन्हें एक नायक के रूप में दिखाते हैं।

ऐसा प्रतीत होता है कि इस पूर्व नियोजित कोरोनावायरस कोविड-19 साजिश के स्वामी जेफरी एपस्टीन के साथ अपने संबंधों का हवाला देकर डोनाल्ड ट्रम्प को धमकी दे रहे हैं। क्योंकि डोनाल्ड ट्रम्प जानते थे कि कोरोनोवायरस सीओवीआईडी -19 मौजूद नहीं था और फैल नहीं गया था, वे जानते थे कि वे महामारी के नाम पर झूठ बोल रहे थे। और फिर भी, हर कोई झूठ बोल रहा है और मानव जाति को धोखा दे रहा है। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप को सच नहीं बोलने दिया गया.

माननीय डोनाल्ड ट्रम्प, आप यहां आपका उल्लेख करने और मानवता के खिलाफ अपराधों के बारे में सच बोलने के लिए मुझ पर नाराज हो सकते हैं। तीन साल से अधिक समय तक, महामारी के नाम पर, आप सभी ने मनुष्यों की शांति और प्रकृति को नष्ट कर दिया। मैं इस महामारी के नाटक को रोकने और दुनिया भर में निर्दोष मनुष्यों को लाइलाज बीमारियों और मौत का कारण बनने वाले जहरीले कोविड-19 इंजेक्शन पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध करता हूं।

तथ्य 7.9: महामारी स्वाभाविक या वैज्ञानिक रूप से संभव नहीं है। हम सभी बड़ी धरती पर रहते हैं। लेकिन कुछ इंसानों के दिल बड़े नहीं होते हैं। लेकिन अमानवीय अभिजात वर्ग, राजनेता, समाचार मीडिया और फार्मास्यूटिकल जैसी कंपनियां महामारी और इलाज का भ्रम पैदा करके और टीकाकरण के नाम पर विषाक्त इंजेक्शन लगाकर दुनिया भर में निर्दोष मनुष्यों की सामूहिक हत्या कर रही हैं। महामारी की दुखद, दर्दनाक सच्चाई यह है कि वे सभी खरबों मुनाफे के लिए दुनिया भर में सार्वजनिक लोगों की सामूहिक हत्या करने के लिए महामारी का

भ्रम पैदा कर रहे हैं। वे सभी एक नकली महामारी और युद्ध का निर्माण करके धन शोधन कर रहे हैं।

तथ्य 7.10: जाने-बूझकर, दुनिया भर में अभिजात वर्ग, अधिकांश कॉर्पोरेट कंपनियां, दवा कंपनियां, समाचार मीडिया, बड़े तकनीकी मीडिया, राजनेता, डॉक्टर, नर्स और सरकारी अधिकारी इलाज (उपचार), टीकों के नाम पर विषाक्त इंजेक्शन के लिए मजबूर करके दुनिया भर में निर्दोष सार्वजनिक लोगों (मनुष्यों) की बेरहमी से और गुप्त रूप से सामूहिक हत्या कर रहे हैं।

तथ्य 7.11: कोरोनोवायरस महामारी के नाम पर, वे दुनिया भर में निर्दोष सार्वजनिक लोगों (मनुष्यों) की बेरहमी से और गुप्त रूप से सामूहिक हत्या कर रहे हैं। कोरोनावायरस कोविड-19 महामारी मौजूद नहीं है, वास्तविक नहीं है, या पृथ्वी पर दिखाई नहीं देती है। कोरोनावायरस कोविड-19 महामारी मीडिया, राजनेताओं, सरकारों, दवा कंपनियों और बिल गेट्स जैसे अमीर अभिजात वर्ग द्वारा बनाया गया एक धोखा और भ्रम है। बिना किसी बुनियादी तथ्यों के, और नकली डेटा बनाकर, वे इस पूर्व नियोजित नकली कोरोनावायरस महामारी में दुनिया भर में आम लोगों की सामूहिक हत्या कर रहे हैं। बिना किसी विवेक के, वे महामारी और इलाज के नाम पर जहरीले कोरोनावायरस कोविड-19 इंजेक्शन को मजबूर करके दुनिया भर में निर्दोष बच्चों, महिलाओं और पुरुषों की सामूहिक हत्या कर रहे हैं।

धारा 8: कुछ सोशल मीडिया और जानबूझकर, जानबूझकर और जानबूझकर उन लोगों के पोस्ट को सेंसर, अक्षम और हटा रहे हैं जो निर्दोष लोगों की मौत और पूर्व-नियोजित कोरोनावायरस कोविड -19 महामारी के कारण टीकों के खिलाफ सच बोलते हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प और सच्चाई सोशल मीडिया:

सच्चाई यह है कि डोनाल्ड ट्रम्प का "सोशल मीडिया" उन लोगों के पोस्ट को सेंसर और अक्षम कर रहा है और हटा रहा है जो निर्दोष मनुष्यों की मौत और पूर्व नियोजित कोरोनावायरस सीओवीआईडी -19 महामारी के कारण टीकों के खिलाफ सच बोलते हैं।
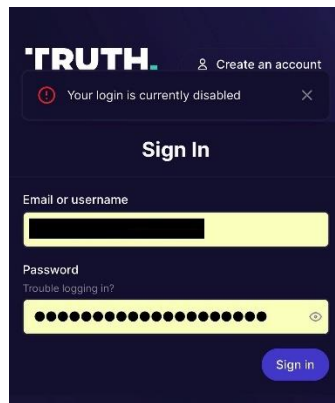
डेटा 8.1: "ट्रूथ सोशल मीडिया" उन लोगों को सेंसर और अक्षम कर रहा है और हटा रहा है जो निर्दोष मनुष्यों की मौत और पूर्व-नियोजित कोरोनावायरस सीओवीआईडी -19 महामारी के कारण टीकों के खिलाफ सच बोलते हैं।

आदरणीय डोनाल्ड ट्रंप, महामारी और टीकाकरण के नाम पर यह सच है। विवेकहीन इंसान नकली महामारी पैदा करके और टीकाकरण के नाम पर जहरीले इंजेक्शन देकर दुनिया भर में निर्दोष मनुष्यों की सामूहिक हत्या कर रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प, यह सच है कि "ट्रूथ सोशल मीडिया" जानबूझकर और जानबूझकर अपने प्लेटफॉर्म में सच्चाई को सेंसर कर रहा है। विशेष रूप से जो लोग जहरीले कोरोनावायरस सीओवीआईडी -19 इंजेक्शन के खिलाफ बोल रहे हैं, टीकाकरण और पूर्व-नियोजित महामारी के कारण अचानक मर गए। उपरोक्त डेटा 8.1 वास्तविक, प्रामाणिक, ईमानदार है, और जानबूझकर या जानबूझकर गढ़ा नहीं गया है।

आदरणीय डोनाल्ड ट्रंप, कृपया पूर्व नियोजित नकली महामारी और कोरोनावायरस कोविड-19 विषाक्त इंजेक्शन को रोकें जो टीकाकरण के नाम पर आगे बढ़ाए जा रहे हैं। इस पूर्व नियोजित नकली कोरोनावायरस कोविड-19 महामारी में सभी नकली उपचार बंद करें। प्रकृति के खिलाफ सभी अपराधों को रोकें।

फेसबुक सोशल मीडिया: सेंसरशिप और कोरोनावायरस कोविड-19 वैक्सीन से मौतें:

फेसबुक अमानवीय एल्गोरिथम का उपयोग करके जहरीले कोविड-19 इंजेक्शन और इस पूर्व-नियोजित कोरोनावायरस महामारी के खिलाफ बोलने वाले उपयोगकर्ताओं के पोस्ट को लगातार और लगातार सेंसर और छिपा रहा है।

सरकारें, राजनेता और दवा कंपनियां सोशल मीडिया को नियंत्रित कर रही हैं और जानबूझकर मौतों का कारण बनने वाले टीकों से संबंधित पोस्ट को सेंसर, अक्षम, निलंबित और हटा रही हैं।

कुछ आंकड़ों से पता चलता है कि फेसबुक ने दुनिया भर में निर्दोष लोगों के पोस्ट को भी हटा दिया जो जहरीले सीओवीआईडी -19 इंजेक्शन के खिलाफ बोलते हैं जो दुनिया भर में निर्दोष मनुष्यों की मौत, रक्त के थक्के, न्यूरोलॉजिकल क्षति और कैंसर का कारण बन रहे हैं।

डेटा 8.2: यदि आप फेसबुक पर वैक्सीन से होने वाली मौतें टाइप करते हैं। यह कभी भी वास्तविक डेटा नहीं दिखाता है। फेसबुक सामूहिक हत्यारों और महामारी निर्माताओं के कल्याण के लिए एल्गोरिदम में हेरफेर कर रहा है और वैक्सीन से संबंधित पोस्ट के बजाय सीधे यूनिसेफ, विश्व स्वास्थ्य संगठन, सीडीसी आदि से संबंधित पोस्ट दिखा रहा है। फेसबुक वैक्सीन और वैक्सीन से होने वाली मौतों से संबंधित पोस्ट को छिपा रहा है।
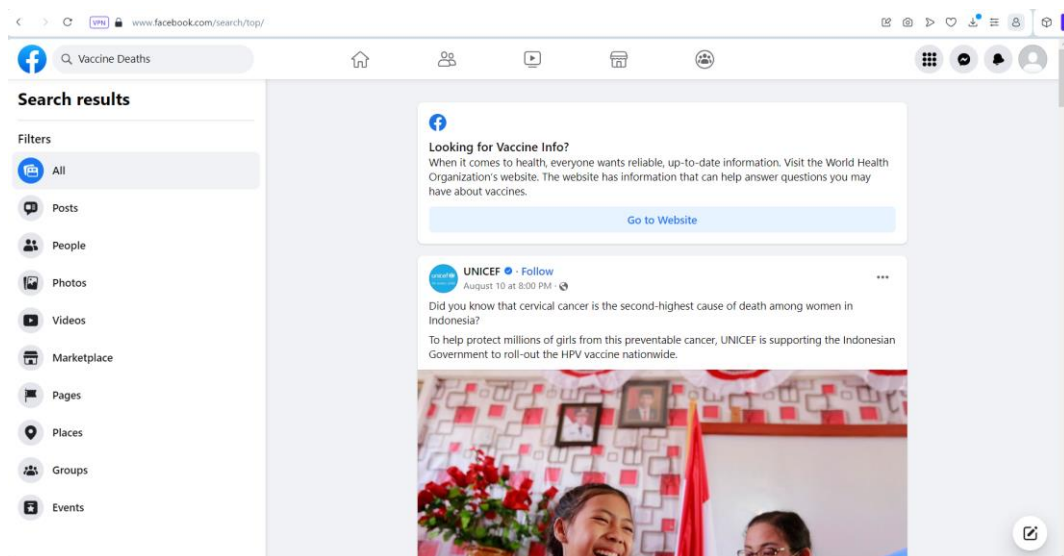
डेटा 8.2: फेसबुक वैक्सीन से संबंधित मौतों को छिपा रहा है।

डेटा 8.3: फेसबुक हैशटैग "#VaccineDeaths" से संबंधित पोस्ट की दृश्यता को हटा रहा है या छिपा रहा है।
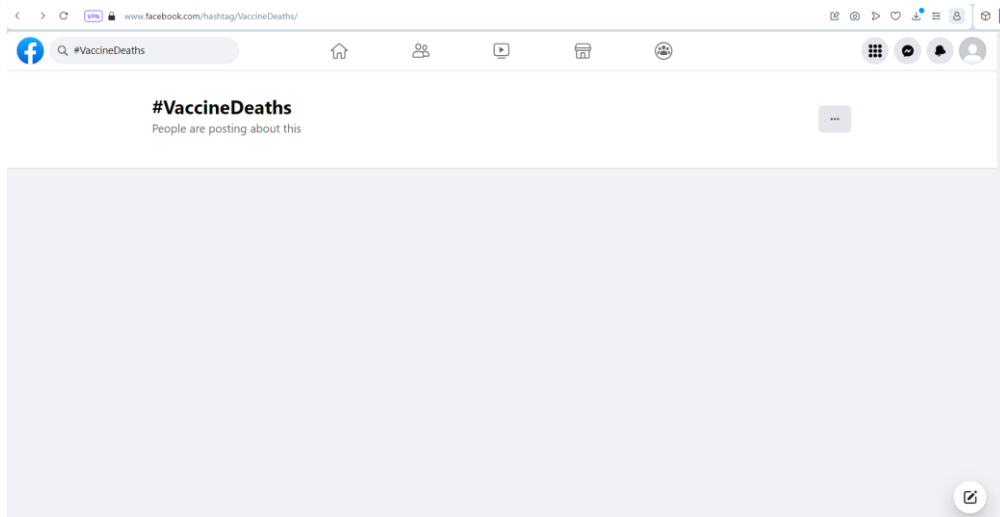
डेटा 8.3: डेटा का प्रमाण 8.3

डेटा 8.3: फेसबुक हैशटैग "#VaccineDeaths" से संबंधित पोस्ट की दृश्यता को हटा रहा है या छिपा रहा है।

डेटा 8.4: फेसबुक अचानक हुई मौत से जुड़े हैशटैग और पोस्ट को खुलेआम छुपाता रहा है। यदि आप फेसबुक खोज में #DiedSuddenly टाइप करते हैं, तो यह आपको दिखाएगा, "हमारे समुदाय को सुरक्षित रखना। अचानक मरने वाले पोस्ट अस्थायी रूप से यहां छिपे हुए हैं। उन पोस्ट में कुछ सामग्री हमारे सामुदायिक मानकों के खिलाफ जाती है।
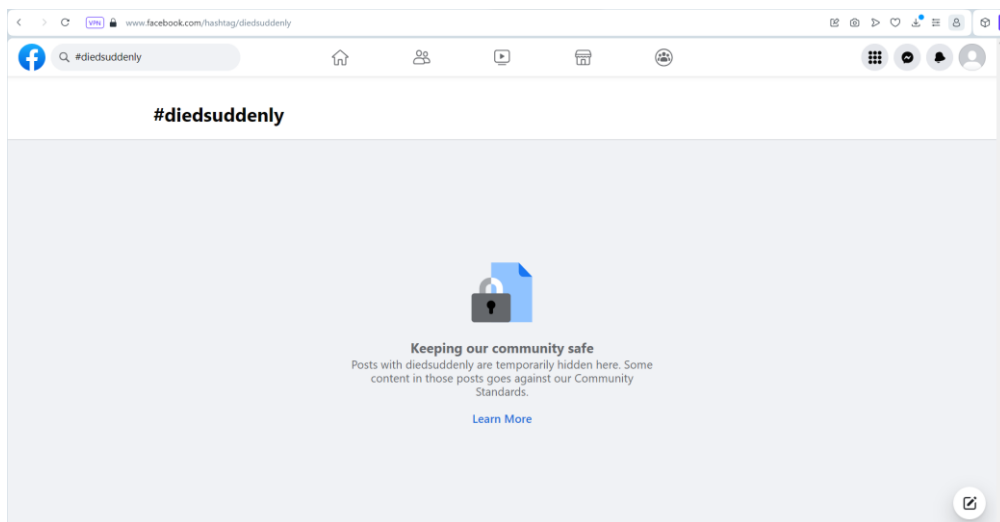
डेटा 8.4: डेटा 8.4 का स्क्रीनशॉट

तथ्य 8.1: "अचानक मृत्यु हो गई" शब्द का उपयोग जहरीले कोरोनावायरस सीओवीआईडी -19 इंजेक्शन के कारण होने वाली मौतों को कवर करने के लिए किया जाता है

जिसे टीकों के नाम पर धकेला जा रहा है। अचानक हुई मौत का अप्रत्यक्ष अर्थ टीकाकरण के कारण होने वाली मौतों का है। कोविड-19 इंजेक्शन के कारण, दुनिया भर में लाखों लोग मर रहे हैं, रक्त के थक्के, कैंसर और दिल के दौरे पड़ रहे हैं।

फेसबुक से अनुरोध: माननीय फेसबुक, कृपया नकली महामारी, युद्ध, दंगे और संकट पैदा करके निर्दोष मनुष्यों की सामूहिक हत्या करने के बजाय मानव जाति की रक्षा करें।

फिर भी, दुनिया भर में लोगों को सच बोलने के लिए बड़े टेक सोशल मीडिया द्वारा सेंसर किया गया है।

घोषणा: इस दस्तावेज़ में उल्लिखित नाम केवल ज्ञान साझा करने के लिए हैं। यह दस्तावेज़ मानव जाति की भलाई के लिए प्रलेखित है और किसी भी कारण या इरादे से किसी को चोट पहुंचाने के लिए नहीं है। यह दस्तावेज़ ओपन-एक्सेस और ओपन-सोर्स है. यह दस्तावेज़ किसी भी व्यावसायिक उद्देश्य के लिए नहीं है। कोई भी इस दस्तावेज़ का उपयोग सच्चाई सिखाने के लिए कर सकता है।

शपथ / प्रतिज्ञान: मैं गंभीरता से, ईमानदारी से, वास्तव में, और ईमानदारी से इस दस्तावेज़ में सबूत या सबूत की घोषणा और पुष्टि करता हूं। मैं सत्य, संपूर्ण सत्य, और सत्य के अलावा कुछ भी नहीं दूँगा।

वादा: मैं सर्वशक्तिमान प्रकृति के सामने वादा करता हूं कि जो सबूत मैं दूंगा वह सत्य, संपूर्ण सत्य होगा, और सत्य के अलावा कुछ भी नहीं होगा।

रखेश जघादिश एल | 14 अगस्त, 2023
सोशल मीडिया: https://twitter.com/SevenRakheshJag

सच्चाई साझा करें और अमानवीय साजिशों से मानव जाति की रक्षा करें।

मैंने ज़ेनोडो में तथ्यात्मक दस्तावेज अपलोड किए, लेकिन उन्होंने मेरे रिकॉर्ड हटा दिए और सच्चाई और मानवता का दुरुपयोग किया।